राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :226 रांची (झारखंड) गुरुवार,29 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

महाराष्ट्र में मानसून से पहले की बारिश से 35,000 हेक्टेयर फसलें बर्बाद, आठ लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों के दौरान मानसून के पहले की बारिश ने कहर बरपाया है और कृषि और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। बुधवार को जारी आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 35,000 हेक्टेयर में फैली खड़ी फसलें, सब्जियां और बाग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, कई घरों, मवेशियों के शेड और गोदामों को भी भारी नुकसान हुआ है। बिजली गिरने, डूबने, घर गिरने और पेड़ गिरने की घटनाओं में आठ लोगों की जान चली गई और दो अन्य घायल हुए हैं।

प्रतिकूल मौसम के कारण राज्य भर में आठ जानवरों की भी मौत हुयी है। किसानों ने कहा है कि बारिश ने विशेष रूप से कपास और सोयाबीन की बुवाई से पहले की गतिविधियों को रोक दिया है। अरब सागर पर कम दबाव का क्षेत्र विकसित होने के कारण, राज्य में पिछले 72-48 घंटों से लगातार बारिश हो रही है।

अधिकारियों ने कहा है कि सभी प्रभावित परिवारों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता मिलेगी। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने अधिकारियों को नुकसान का व्यापक सर्वेक्षण (पंचनामा) करने का निर्देश दिया है, ताकि एनडीआरएफ से समय पर राहत सुनिश्चित हो सके। आगे की आपात स्थितियों की आशंका को देखते हुए, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया

बल की 18 टीमों को पूरे महाराष्ट्र में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। तीन टीमें मुंबई में तैनात हैं, जबकि पालघर, नागपुर, पुणे, रायगढ़, ठाणे, रत्नागिरी, सतारा, सांगली, कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग में अतिरिक्त इकाइयाँ तैनात हैं। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने भी राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए विभिन्न जिलों में छह टीमों को तैनात किया है। सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए राज्य के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने 26 और 27 मई को शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस) अलर्ट के माध्यम से भारी वर्षा और बिजली गिरने के बारे में 52 प्रारंभिक चेतावनियाँ जारी कीं, जो दो दिनों में अनुमानित 1920 लाख लोगों तक पहुँचीं। विकसित स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया प्रयासों के समन्वय के लिए राज्य मंत्रालय में एक 24-घंटे नियंत्रण कक्ष चालू रहता है।

अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम के नियम अधिसूचित

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने सशस्त्र बलों में अधिक तालमेल, सामंजस्य और कमान के स्तर पर दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और

अनुशासन) अधिनियम 2023 के नियम अधिसूचित कर दिए हैं।रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये नियम मंगलवार यानी 27 मई से प्रभावी होंगे। इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) की प्रभावी कमान, नियंत्रण और कुशल कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है, जिससे सशस्त्र बलों के बीच एकीकरण मजबूत होगा। यह विधेयक 2023 के मानसून सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था और राष्ट्रपति ने इसे 15 अगस्त, 2023 को मंजूरी दी थी। यह अधिनियम आईएसओ के कमांडर-इन-चीफ और ऑफिसर-इन-कमांड को उनके अधीन सेवारत सेवा कर्मियों पर कमान और नियंत्रण रखने का अधिकार देता है, जिससे संगठनों के भीतर अनुशासन और प्रशासन का प्रभावी रखरखाव सुनिश्चित होता है। यह सशस्त्र बलों की प्रत्येक शाखा पर लागू विशेष सेवा शर्तों में बदलाव नहीं करता। अधिनियम की धारा 11 के तहत नए अधिसूचित नियमों का उद्देश्य कानून में निर्धारित प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना है। ये नियम आईएसओ के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुशासन, प्रशासनिक नियंत्रण और परिचालन तालमेल के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करते हैं। नियमों की अधिसूचना के साथ, अधिनियम अब पूरी तरह से प्रभावी गया है। इससे आईएसओ के प्रमुखों को सशक्त बनाया जाएगा, अनुशासनात्मक मामलों का शीघ्र निपटान किया जा सकेगा और कार्यवाही की पुनरावृति से बचने में मदद मिलेगी।

अमृतसर में हेरोइन और हथियार के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब में नशीली दवाओं और अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क पर एक बड़ी कार्रवाई में, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), बॉर्डर रेंज अमृतसर ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से हेरोइन, हथियार और गोला बारूद बरामद किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान मनिंदरजीत सिंह, पीटर और लवजीत सिंह उर्फ राजा के रूप मे हुई है, जिन्हें अटारी रोड, अमृतसर में शंकर ढाबा के पास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से चार पीएक्स फाइव स्टॉर्म पिस्तौल, 521 ग्राम हेरोइन, सात मैगजीन और 55 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। श्री यादव ने कहा कि इस संबंध में नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत एएनटीएफ, एस ए एस नगर में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एएनटीएफ पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है।

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में भूकंप के हल्के झटके

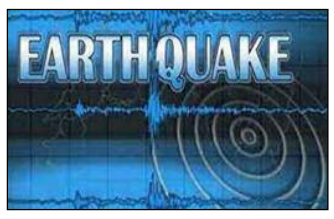

इंफाल। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में बुधवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके मणिपुर, नागालैंड, असम और मिजोरम में भी महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.7 मापी गयी। किसी के कारण किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

मंगोलियाई सेना के प्रतिनिधिमंडल ने भारत में शत्रुजीत ब्रिगेड का दौरा किया

आगरा। मंगोलिया की सेना के 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना की शत्रुजीत ब्रिगेड का दौरा कर पेशेवर पहलुओं और क्षमता की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल की। मंगोलियाई सेना के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रिगेडियर जनरल ओन्ट्सगोइबयार लखमजी ने किया। यह यात्रा

भारत-मंगोलिया रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। यह जानकारी एक्स पोस्ट में सूर्यकमांड आईए ने आज सुबह दी। सूर्यकमांड आईए भारतीय सेना के मध्य कमान का आधिकारिक एक्स अकाउंट है। सूर्यकमांड आईए ने एक्स पर लिखा, 'ब्रिगेडियर जनरल ओन्ट्सगोइबयार लखमजी के नेतृत्व में मंगोलियाई सेना के 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शत्रुजीत ब्रिगेड का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को एयरबोर्न सैनिकों के पेशेवर पहलुओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई। यह भारत-मंगोलिया द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रपति से पद्मश्री पाकर भावुक हुई ममता शंकर, बोलीं- यह ईश्वर का आशीर्वाद

कोलकाता। मशहूर अभिनेत्री और नृत्यांगना ममता शंकर ने राष्ट्रपति भवन में 'पद्मश्री' सम्मान प्राप्त किया। सम्मान को हासिल करने के बाद वह भाव विभोर हैं। बातचीत में उन्होंने कहा कि यह ऐसा अहसास है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह ईश्वर का आशीर्वाद है। मैं बहुत खुश हूं, लेकिन मन में क्या चल रहा है, उसे व्यक्त नहीं कर सकती। भारत सरकार ने मुझे इस सम्मान के लिए चुना, यह मेरी कल्पना से भी परे था। मैंने कभी इसके बारे में सोचा नहीं था, न कभी उम्मीद की थी। ममता शंकर ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई योजना नहीं बनाई और शायद इसी कारण उन्हें जब इतना बड़ा सम्मान मिला, तो वह अभिभूत हो गईं। ममता शंकर ने अपने करियर में 50 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। जिनमें 'दूरत्व' (1978), 'एक दिन प्रतिदिन' (1979), 'खारिज' (1982), 'गृहयुद्ध' (1982), 'शाखा प्रशाखा' (1991), 'अगंतुक' (1991) और हालिया फिल्म 'प्रजापति' (2023) शामिल हैं।

एनडीए सरकार एनटी रामाराव गारू के विजन को पूरा कर रही: मोदी

'मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एनटी रामाराव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजिल अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समाज की सेवा करने और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनके सिनेमाई काम भी दर्शकों को रोमांचित करते रहते हैं। हम सभी उनसे बहुत प्रेरित हैं। मेरे मित्र चंद्रबाबू नायडू गारू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार एनटीआर के विजन को पूरा करने के

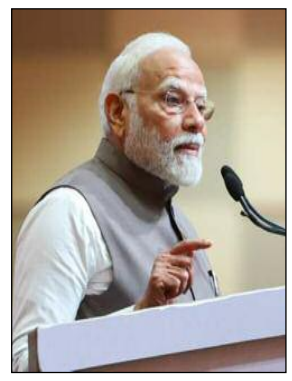

लिए काम कर रही है।' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एन.टी. रामाराव गारू को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि।' आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'युगपुरुष, विश्वविख्यात अभिनेता, तेलुगू भाषियों के आदर्श, दुनिया को तेलुगू लोगों का स्वाभिमान दिखाने वाले महापुरुष, कल्याण का नया रास्ता दिखाने वाले समाज सुधारक, 'अन्ना' नंदमुरी तारक रामाराव को उनकी 102वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन।'

नायडू ने एनटीआर के विजन को याद करते हुए आगे लिखा,' एनटीआर वो वीर व्यक्ति थे जिन्होंने गरीब लोगों की तीन जरूरतों को पूरा करना अपने जीवन का कार्य माना। रोटी, कपड़ा और मकान। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने 'समाज ही मंदिर है, लोग ही भगवान हैं' के नारे के साथ लोकतंत्र को एक नया अर्थ दिया। पक्के घरों के निर्माण के साथ गरीबों के साथ खड़े हुए, या सिर्फ 2 रुपये प्रति किलो चावल उपलब्ध कराकर गरीबों की भूख मिटाई। उन्होंने जो भी किया, उनके दिमाग में एक ही बात थी।

'मेरा तेलुगू राष्ट्र सम्मान के साथ खड़ा होना चाहिए।' तेलुगू देशम आज भी अगर चमक रही है तो यह उनके आशीर्वाद की वजह से है। हम उस महापुरुष की इच्छा को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मैं एक बार फिर अपने भाई नंदमुरी तारक रामा राव को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने कई अद्वितीय काम किए।

वीर सावरकर की जयंती के मौके पर मोदी, शाह, नड्डा ने किया नमन

'आजादी के आंदोलन में उनके अदम्य साहस और संघर्ष की गाथा को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी वीर सावकर की जयंती के मौके पर उन्हें नमन किया। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत माता के सच्चे सपूत वीर सावरकर जी को उनकी जन्म-जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। विदेशी हुकूमत की कठोर से कठोर यातनाएं भी मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण भाव को डिगा नहीं पाई। आजादी के आंदोलन में उनके अदम्य साहस और

संघर्ष की गाथा को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। देश के लिए उनका त्याग और समर्पण विकसित भारत के निर्माण में भी पथ-प्रदर्शक बना रहेगा।'वहीं, श्री शाह ने एक्स पर लिखा, 'मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए साहस और संयम की पराकाष्ठा पार करने वाले स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी ने राष्ट्रहित को अखिल भारतीय चेतना बनाने में अविस्मरणीय योगदान दिया। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अपनी लेखनी से ऐतिहासिक बनाने वाले सावरकर जी की मातृभूमि के प्रति निष्ठा और समर्पण को अंग्रेजों की कठिन यातनाएँ भी डिगा न सकीं। भारतीय समाज को अस्पृश्यता के दंश से मुक्त कर एकता के मजबूत सूत्र में पिरोने हेतु आजीवन समर्पित वीर सावरकर जी को उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से कोटिशः नमन।' श्री नड्डा ने लिखा, 'वीर सावरकर भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के प्रखर प्रहरी थे। कालापानी की क्रूर यातनाओं को झेलकर भी अडिग भाव से राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए अजीवन संघर्षरत रहे। अंग्रेजी हुकूमत की असहनीय प्रताड़ना भी देश को स्वतंत्र कराने के उनके संकल्प को डिगा नहीं पाया।

अमित शाह ने बस्तर के पंडीराम मंडावी को पद्मश्री मिलने पर दी बधाई

एजेंसी

रायपुर। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश मंत्री एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य खूबलाल ध्रुव ने कहा कि बस्तर के माटी पुत्र पंडीराम मंडावी को पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने स्वयं पंडीराम मंडावी से भेंट कर उन्हें बधाई दी और उनके योगदान की सराहना की।

ध्रुव ने कहा कि यह सम्मान न केवल मंडावी के जीवन भर के कार्यों की स्वीकृति है, बल्कि यह बस्तर की सांस्कृतिक विरासत और उसकी प्रतिभाओं को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से बस्तर

में स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इसका परिणाम है कि आज बस्तर की प्रतिभाओं को देश और दुनिया के सामने आने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से बस्तर अब बदलाव के रास्ते पर है और यहां की जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराएं सम्मान पा रही हैं। यह न सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धि है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की गौरवपूर्ण मान्यता है।

जम्मू-कश्मीर : राजौरी में बिजली गिरने से 100 से अधिक भेड़-बकरियों की मौत

'चेतावनी दी है कि समय पर सहायता के बिना उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।'

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बिजली गिरने से 100 से अधिक भेड़-बकरियों की मौत हो गई। इस घटना से प्रभावित परिवारों को भारी दुख और आर्थिक क्षति हुई है, जो अपनी जीविका के लिए पूरी तरह से पशुधन पर निर्भर हैं। बुद्धल तहसील के तरगैन गांव के खानाबदोश परिवार मौसमी प्रवास पर थे और मर्ग के ऊंचाई वाले चरागाहों में ढोक नामक अस्थायी आश्रय स्थल बनाए थे। खराब मौसम के दौरान उनके शिविर पर बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से जानवरों की मौत हो गई।

प्रभावित परिवारों में मोहम्मद

अशरफ, सद्दाम हुसैन, माखन दीन, मोहम्मद फारूक, अजाज अहमद, फखर दीन, जावेद इकबाल और मोहम्मद आरिफ शामिल हैं। प्रभावित परिवारों ने कहा कि पशुधन ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था और सब कुछ खो जाने के कारण अब उन्हें भूख और लाचारी का सामना करना पड़ रहा है। बुद्धल के भेड़ पालन विभाग की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया, नुकसान का जायजा लिया और आगे की कार्रवाई के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। टीम में फ्लॉक सुपरवाइजर शाहबाज कमर और असिस्टेंट स्टॉकमैन लाल हुसैन शामिल थे। पीड़ितों ने जम्मू-कश्मीर सरकार और राजौरी प्रशासन से तत्काल वित्तीय राहत, मुआवजा और पुनर्वास सहायता की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि समय पर सहायता के बिना उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। खानाबदोश बकरवाल परिवारों के लिए उनका पशुधन ही उनकी एकमात्र संपत्ति है और उनका अस्तित्व भेड़ और बकरियों पर निर्भर करता है। वे अपने मवेशियों के लिए घास के मैदान की तलाश में कठोर गर्मी के महीनों के दौरान ऊंचे चरागाहों की ओर पलायन करते हैं।

अक्टूबर के मध्य में ठंड का मौसम शुरू होने के साथ ही बकरवाल सर्दियां बिताने के लिए अपने घरों को वापस चले जाते हैं।

केरल में माकपा शासन के 09 वर्षों के शासनकाल में 42000 एमएसएमई बंद हुए: भाजपा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के नौ साल के कुशासन ने केरल के औद्योगिक परिदृश्य को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण 42,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) बंद होने को मजबूर हुए हैं। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) शासन के तहत तेजी से बढ़ते प्रतिकूल कारोबारी माहौल ने हिंदुस्तान यूनिलीवर और काइटेक्स जैसी प्रमुख कंपनियों को राज्य से बाहर निकलने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा, 'प्रवासी भारतीय (एनआरआई) उद्यमी साजन की दुखद मौत व्यापारिक समुदाय के भीतर बढ़ती निराशा की भावना को

रेखांकित करती है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'नोक्कू कुली' जैसी पुरानी कम्युनिस्ट विचारधाराएं और व्यापार-विरोधी प्रथाएं निजी निवेश को पीछे धकेल रही हैं, जिससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं और उनका भविष्य अनिश्चित है।

एनसीआर में मौसम ने बदला मिजाज, भीषण गर्मी के बाद फिर आंधी-पानी का पूर्वानुमान

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है। बुधवार, 28 मई की सुबह से ही आसमान साफ रहा और धूप तेज बनी रही। तापमान अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर बाद आसमान में बादल छाने की संभावना जताई गई है, हालांकि बुधवार को किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 मई से क्षेत्र में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। तेज़ बारिश के साथ गरज-चमक और आंधी की संभावना जताई गई है। विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए चेताया है कि 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है, जिससे आम लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। 30 और 31 मई को भी गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। तापमान में गिरावट देखी जा सकती है, जहां अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 31 मई को हालांकि कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान बना हुआ है। 1 जून से मौसम थोड़ा सामान्य होने की संभावना है। इस दिन आसमान आंशिक रूप से साफ रहेगा और तापमान फिर से 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, 2 और 3 जून को फिर से आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

बंगलिया गांव में पोखर में डूबने से एक आदिवासी व्यक्ति की हुई मौत

मंडरो: मंडरो प्रखंड क्षेत्र के सिमड़ा पंचायत के बंगलीया गांव के रहने वाले 35 वर्षीय रिबो हांसदा आदिवासी व्यक्ति की मौत बुधवार दोपहर मंडरो के बंगलिया पोखर में डुबने से हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रिबो हांसदा दो दोस्तों के साथ बंगलिया पोखर में स्नान करने के क्रम में गहरे पानी में जाने से डुबने से उसकी मौत हो गई।जहां मौके पर पहुंची मिर्जाचौकी थाना पुलिस पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को कहा लेकिन परिजनों द्वारा नहीं माना गया ।वहीं मृतक के परिजन द्वारा पोस्टमार्टम नहीं करने को लेकर लिखित आवेदन दिया गया। वही मिजाचौकी पुलिस द्वारा बताया गया की पोखर में डूबने से एक आदिवासी व्यक्ति की मौत हो गई । परिजनों से पोस्टमास्टम कराने से इनकार किया। वही मामले की जानकारी आग की तरह क्षेत्र में फैल चुका। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 छात्र-छात्राओं को उपायुक्त ने किया सम्मानित

साहिबगंज: जिले में मैट्रिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 छात्र-छात्राओं को आज जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा सम्मानित किया गया। जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त ने सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।सम्मानित विद्यार्थियों में फिरदौस अंसारी, दीपिका घोष, अमरीन प्रवीन, अंकित कुमार मालतो, राजकुमार शिल, स्वाति कुमारी, साक्षी कुमारी, उमंग दास, सचिन कुमार यादव और शिवानी कुमारी शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और लगन से जिले का नाम रौशन किया है।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ये बच्चे आने वाले समय में समाज और देश की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास की कुंजी है और हर विद्यार्थी को अपना लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी, शिक्षकगण और अभिभावक भी उपस्थित रहे। सभी ने इन विद्यार्थियों की उपलब्धि पर गर्व जताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा योजनाओं की प्रगति को लेकर उपायुक्त हेमंत सती ने की समीक्षा बैठक

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पिछले समीक्षात्मक बैठक में दिए गए निदेशों के आलोक में हुए कार्यों की जानकारी ली और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों एवं स्कूल बैग के वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि वितरण कार्य को शीघ्र शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने कहा कि समय पर शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को बच्चों की उपस्थिति, विद्यालय भवनों की स्थिति, मिड डे मील योजना की गुणवत्ता सहित अन्य बिंदुओं पर भी गंभीरता से निगरानी रखने का निर्देश दिया।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति से उपायुक्त को अवगत कराया और आगे की कार्रवाई की रूपरेखा पर चर्चा की।

गायत्री परिवार ने नशा मुक्ति अभियान चलाने का लिया निर्णय

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गायत्री परिवार का नशा मुक्ति अभियान 31 म ई 2025 को ,,,, अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पूर्वाह्न 11 बजे गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम के साधना कक्ष में जिला समन्वयक बरूण कुमार की अध्यक्षता में एक मासीय ज्योति कलश रथयात्रा का समापन तथा 31 म ई को विश्व नशा उन्मूलन दिवस पर जन जागरण अभियान को लेकर बैठक की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने मीडिया को बताया कि गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम, जसीडीह, देवघर शहरी क्षेत्र के टावर चौक, बेलाबगान,करनीबाग,बिलासी टाउन, विलियम्स टाउन तथा मधुपुर अनुमंडल सहित सभी प्रखंडों में कुल 20 चयनित केन्द्रों से प्रातः 8 से 9 बजे के बीच एक दिन एक समय पर नशा मुक्ति जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। बैनर पोस्टर मुद्रित पंपलेट आदि की व्यवस्था की जा रही है।साथ ही देवघर जिला में ज्योति कलश रथयात्रा की उपलब्धि पर बताया गया कि सनातनी श्रद्धालुओं में दिव्य ज्योति कलश रथ के दर्शन और पूजन को लेकर उत्साह देखा गया।लोग गायत्री मंत्र तथा यज्ञ परंपरा से जुडकर जीवन में देवत्व धारण करने के लिए संकल्पित हो रहे हैं तथा साधना की बुनियाद पर सतयुगी वातावरण तैयार करने की मनोभावना विकसित हो रही है। ज्योति कलश रथ को जामताड़ा जिला के लिए भावभीनी विदाई की गई। बैठक में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी देवनारायण रजक, गायत्री मंदिर मधुपुर प्रबंधक रामानुज कुमार, ब्रह्मचारी ज्ञान प्रकाश,संजीव लोचन मिश्र, राम प्रसाद यादव, कांति देवी, निशा देवी, अनिता सिन्हा,राधा भारती, आदि उपस्थित थे।

जिले में 1500 लाभुकों का किया गया अबुआ आवास का गृह प्रवेश

विधायक , त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी सहित अन्य गृह प्रवेश कार्यक्रम में हुए शामिल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ प्रखंड के नरोत्तमपुर पंचायत के रामचन्द्रपुर गांव में अबुआ आवास योजना के चार लाभुकों को पक्का मकान मिला। माननीय विधायक पाकुड़ निसात आलम व उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, सांसद प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं मुखिया सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लाभुक के नवनिर्मित अबुआ आवास का फीता काटकर व नारियल फोड़ कर गृह प्रवेश कराया। लाभुक ने माननीय मुख्यमंत्री जी व जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार जताया। कहा कि हमलोगों के पास रहने के लिए पक्के का मकान नहीं था। कच्चे मकान में किसी तरह गुजर बसर करते थे। सरकार के मदद से आज हमलोगों के पास पक्का का मकान बन गया। इसके पश्चात माननीय विधायक पाकुड़, उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त, बीडीओ सहित अन्य प्रतिनिधियों ने पौधारोपण किया। महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार एवं झामुमो नेत्री उपासना मरांडी ने महेशपुर व धर्मखांपाड़ा गांव में बुधवार को अबुआ आवास का दो लाभुको का नारियल फोड़कर व फीता काट कर गृह प्रवेश कराया। माननीय विधायक और उपायुक्त ने बताया कि जिले भर में 1500 अबुआ आवास का गृह प्रवेश कराया गया। महेशपुर लाभुक संजय राउत और धर्मखांपाड़ा गांव के लाभुक हासान शेख को अबुआ आवास योजना के तहत आवास मिला था। जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सभी प्रखंडों में कराया गया गृह प्रवेश पाकुड़ जिला के सभी प्रखण्डों में अबुआ आवास योजना के लाभुकों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे जिले में 1500 लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। सभी प्रखण्डों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरीय पदाधिकारियों ने लाभुकों को गृह प्रवेश करवाया। पाकुड़ प्रखंड में 500, हिरणपुर प्रखंड में 200, लिट्टीपाड़ा में 250, अमड़ापाड़ा में 100, महेशपुर प्रखंड में 300, पाकुड़िया प्रखंड में 150 लाभुकों ने अपने अबुआ आवास में गृह प्रवेश किया।

अबुआ आवास के लाभुकों ने साझा किये अपने अनुभव

आयोजित कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना के लाभुकों ने उपायुक्त के समक्ष अपने अनुभव साझा किये। लाभुकों ने बताया कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में योजना के लाभ के लिए उन्होंने आवेदन दिया था और अब उनका सपना पूरा हुआ है। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि अन्य लाभुक जिन्हें किस्त का भुगतान किया गया है वो जल्द अपना आवास निर्माण करायें, आवास संपूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित कर उनका गृह प्रवेश कराया जायेगा।

देवघर में एसबीआई-आरसेटी द्वारा जेनरल ईडीपी प्रशिक्षण का समापन, युवाओं को स्वरोजगार की राह दिखाने का आह्वान

देवघर। एस.बी.आई आरसेटी,रोहिणी, देवघर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जेनरल एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (ई.डी.पी.) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 23 मई से शुरू होकर 25 मई तक चला, जिसमें देवघर जिले के 30 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में डीएम स्किल जेएसएलपीएस के संतोष कुमार और आरसेटी के निदेशक भोला बिलुंग ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निदेशक भोला बिलुंग ने कहा, आज के दौर में स्वरोजगार ही सबसे सशक्त माध्यम है। हर गांव में राशन-पानी या जनरल स्टोर जैसी छोटी दुकानें भी बड़ी आमदनी का जरिया बन सकती हैं। प्रशिक्षु 500 से 1000 रुपये प्रतिदिन आसानी से कमा सकते हैं, बशर्ते वे ईमानदारी से इसे अपनाएं और बैंकों से जुड़ें। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से अपील की कि वे मुद्रा ऋण जैसी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और समय पर ऋण की अदायगी सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने बिक्री बढ़ाने के लिए दुकानों को आकर्षक बनाने, डिजिटल माध्यमों के प्रयोग, ग्राहक संतुष्टि और मूल्य निर्धारण रणनीति को मजबूत करने की सलाह दी।

साहिबगंज में 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान का शुभारंभ, रेड डॉट चैलेंज से शुरू हुई पहल

माहवारी जागरूकता को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार, तिथि-वार गतिविधियों के सफल संचालन पर जोर

साहिबगंज : साहिबगंज जिले में 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान का शुभारंभ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, सही जानकारी देना और समाज में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है। अभियान की शुरूआत प्रतीकात्मक रूप से रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से की गई, जो माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है।बैठक में 28 मई से 11 जून 2025 तक आयोजित होने वाली तिथि-वार गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि अभियान का संचालन प्रभावी और सफल ढंग से हो सके।कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को माहवारी स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। यह शपथ समाज में माहवारी के प्रति खुले और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के संकल्प के रूप में ली गई।इस अवसर पर सदर डीएसपी विजय कुस्वाहा, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, सभी जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु समर्पित भाव से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

डीसी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल ने समाहरणालय परिसर से राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों और इसके नियंत्रण के उपायों के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। साथ ही कोटपा 2003 के विभिन्न प्रावधानों एवं द प्रोहिबिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेटस एक्ट 2019 (पी.ई.सी.ए.) का प्रभावकारी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इस इस वर्ष की थीम है, तंबाकू दिखावे का दम, इरादों में जहर आकर्षण के पीछे का खतरनाक सच उपायुक्त ने कहा कि इन रथों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भेजा जाएगा। जहां ये ऑडियो और प्रचार सामग्री के माध्यम से आम जनता को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे। यह लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे और उन्हें सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी बताएंगे। उपायुक्त ने जिले के सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और तंबाकू मुक्त स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की है।

कोडरमा जिला के 25 वें उपायुक्त के रूप में ऋतुराज ने संभाला पदभार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिला के 25 वें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के रूप में ऋतुराज ने बुधवार को पदभार संभाला। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त मेघा भारद्वाज से पदभार लिया, निवर्तमान उपायुक्त ने नये उपायुक्त को शुभकामनाएं दी। वहीं मीडिया से बातचीत के क्रम में उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिले के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। जिले की जो भी समस्याएं सामने आयेंगी, उनका ईमानदारी के साथ समाधान करने का हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास करेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय में बैठक हुई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय के नेतृत्व में बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में बैठक हुई। इस बैठक में पुण्यशलोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में होने वाले संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि लोकमाता और पुण्यश्लोक की उपाधि से सम्मानित न्यायप्रिय शासिका अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 29 मई को शाम 04:00 बजे अपर्णा मार्केट कॉम्प्लेक्स में जिला संगोष्ठी का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में महगामा के पूर्व विधायक श्री अशोक भगत जी बतौर मुख्य वक्ता शामिल होंगे। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को न्यायप्रियता की मिसाल दी जाती है। उन्होंने अपने पुत्र को भी अन्यायपूर्ण आचरण के लिए दंडित किया। अहिल्याबाई होलकर की विरासत आज भी जीवित है। उनका जीवन आज भी शासन, सेवा और नारी सशक्तिकरण के लिए प्रेरणाप्रद है। कार्यक्रम में उनके जीवन और कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह, जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह,पूर्व प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक,पूर्व जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, पूर्व जिला मंत्री सपन दुबे,नगर मंत्री प्राची चौधरी, रतन भगत, दुलाल सिंह, पवन भगत, जीतू सिंह, सादेकुल आलम,सूरज भगत, राजू ठाकुर उपस्थित हुए।

चतरा जिला के 39 वें उपायुक्त के रूप में कीर्तिश्री ने किया पदभार ग्रहण

शिक्षा एवं आजीविका सृजन, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कुछ नया करने का उद्देश्य:उपायुक्त

दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो,कुन्दन

चतरा। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में जिले के 39 वें उपायुक्त के रूप में नव पदस्थापित उपायुक्त कीर्तिश्री ने स्वतः पदभार ग्रहण किया। सरकार की प्राथमिकता को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन दोनों जनता के लिए है। आगे उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से शत प्रतिशत पात्र लाभुकों को लाभान्वित करना और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका सृजन, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कुछ नया करने का उद्देश्य है। इससे पहले नव पदस्थापित उपायुक्त कीर्तिश्री के चतरा जिला आगमन पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा,अपर समाहर्ता अरविंद कुमार,अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज समेत मौके पर उपस्थित अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

लायंस क्लब ऑफ राँची हरिकनक ग्रेटर में हुई निदेशकों की हुई नियुक्ति

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के वर्तमान अध्यक्ष लायन राजेश केडिया की अध्यक्षता में कोर कॉमेटी की बैठक अशोक नगर मोहन कॉम्प्लेक्स(सांसद श्री संजय सेठ जी के कार्यालय के नीचे)मे संपन्न हुई जिसमे सर्वसम्मति से सदस्यों को क्लब के निदेशक के रूप में मनोनीत किया गया। 1)भारत विभूषण लायन डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा, 2) लायन अधिवक्ता प्रिया रानी (उच्चतम न्यायालय), 3)लायन अधिवक्ता पूरण कुमारी (उच्च न्यायालय), 4) लायन सुबोध कश्यप, 5) लायन प्रमोद पांडे एवं 6) लायन सुभमल दत्ता। हरिकनक ग्रेटर क्लब ने नवनियुक्त सभी निदेशकों को बधाई दी एवं आशा जताई की इनके मार्गदर्शन में क्लब आने वाले सत्र 2025-26 में डिस्ट्रिक्ट 322 अ में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने नवनियुक्त उपायुक्त को दी बधाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के नवनियुक्त उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकडा.को देवघर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने अपने सहयोगी साथियों के साथ मिलकर पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाऐं दी तथा उनका बाबा वैद्यनाथ की पावन नगरी में पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक स्वागत किया। मौके पर देवघर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार भी मौजूद थे। इस दौरान जिला बीस सूत्री सदस्य एवं कांग्रेस जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, सोसल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय ने नवनियुक्त उपायुक्त को बधाई दी।

कांग्रेसियों ने नवनियुक्त उपायुक्त को दी बधाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के नवनियुक्त उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकडा.को देवघर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने अपने सहयोगी साथियों के साथ मिलकर पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाऐं दी तथा उनका बाबा वैद्यनाथ की पावन नगरी में पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक स्वागत किया। मौके पर देवघर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार भी मौजूद थे। इस दौरान जिला बीस सूत्री सदस्य एवं कांग्रेस जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, सोसल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय ने नवनियुक्त उपायुक्त को बधाई दी।

कवि गोपाल प्रसाद व्यास की 20 वीं पुण्यतिथि पर काव्य संवाद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सा-हत्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में आधुनिक हिंदी साहित्य के महान कवि एवं हास्य व्यंग के सशक्त हस्ताक्षर गोपाल प्रसाद व्यास की 20वीं पुण्यतिथि पर काव्य संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह , उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद करते हुए जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि गोपाल प्रसाद व्यास जी ब्रजभाषा और पिंगल के मर्मज्ञ विद्वान के रूप में चर्चित थे।दिल्ली में हिंदी भवन के निर्माण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लाल किले पर विशेष प्रयोजन पर होने वाले राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की श-रूआत करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी कई पत्र पत्रिकाओं का संपादन कार्य भी किया था। दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के संस्थापक और 35 वर्षों तक महामंत्री के रूप में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया था।किसी भी राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक संस्था में उनकी उपस्थिति मात्र से ही उस संस्था की विशेषता का पता चलता था की संस्था की कितनी महता है।अखिल भारतीय स्तर पर महान पर्व होली के मौके पर मूर्ख महा सम्मेलन के जन्मदाता थे और राष्ट्रीय स्तर पर संचालन भी किया करते थे उनकी कालजई कृतियां गोपीन के अधरान की भाषा,हास्य सागर,कदम कदम बढ़ाए जा,रंग जंग और व्यंग्य आधुनिक हिंदी साहित्य की आधारभूत कृतियां हैं जिनके माध्यम से हिंदी साहित्य को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

गायत्री परिवार तथा रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से लगाया गया मोतियाबिंद का 11वां निशुल्क जांच शिविर

निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने वाले रोगियों को मिलेगा 10 दिनों का राशन

जमालपुर। गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर एवं रेडक्रास सोसाइ-टी के संयुक्त तत्वावधान में अखंड ज्योति आई हॉस्पीटल दलसिंहसराय के द्वारा जमालपुर के गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में निःशुल्क मोतियाबिंद का ग्यारहवां जांच शिविर लगाया गया। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सह जमालपुर रेडक्रास सोसाइटी के सचिव बासुदेव पुरी ने कहा कि गायत्री परिवार द्वारा संचालित चालीस से ज्यादा अखंड ज्योति आई हॉस्पीटल एवं क्लीनिकों के द्वारा लाखों रोगियों का निःशुल्क मोतियाबिंद का आपरेशन कर लेंस लगाया जाता है। यहां तक कि जांच केंद्रों से रोगियों को आई हॉस्पीटल तक ले जाना, वापस लाना तथा भोजन इत्यादि सुविधा सभी निःशुल्क होती है। बासुदेव पुरी जी ने कहा कि अब निःशुल्क मोतियाबिंद का आपरेशन क राने वाले रोगियों को दस दिनों का राशन भी दिया जाएगा। शिविर में 146 रोगियों का जांच किया गया। इनमें 43 का ऑपरेशन कर लेंस लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को वैचारिक रूप से समृद्ध एवं सर्वश्रेष्ठ बनाने हेतु गायत्री मिशन के द्वारा सप्त सूत्रीय कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जांच शिविर को सफल बनाने में डॉ प्रिंस कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ धर्मेंद्र, सुरेश चौरसिया, विजय शर्मा, जे पी मंडल, शिवलाल रजक, सरदार चंदन सिंह, बलबिंदर सिंह, अमित नंदन, भरत पोद्दार, राजेन्द्र विश्वकर्मा, हलधर मंडल, शंभू सिंह, उषा मंडल,

अनामिका, काजल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा ने मनाई रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती

निकाली भव्य शिवलिंग शोभा यात्रा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारतीय जनता पार्टी ने रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई। इस दौरान शिवलोक परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और देवी अहिल्याबाई के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। संगोष्ठी के बाद भव्य शिवलिंग शोभा यात्रा महिला मोर्चा के नेतृत्व में निकाली गई शोभायात्रा शिवलोक परिसर से बाबा मंदिर गेट निकाला गया मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र राय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और न्याय की प्रतीक थीं राजमाता अहिल्याबाई अहिल्याबाई ने अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित किया और कहा कि अहिल्याबाई ने जल, जंगल और जमीन का संरक्षण किया। उन्होंने न्यायप्रिय शासन की मिसाल पेश की। विधवा पुनर्विवाह और अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित कर सामाजिक सुधार किए। मौके पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉ नीतू दबास ने कहा कि अहिल्या बाई होलकर केवल एक शासिका नहीं थीं, वे धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक भी थीं। अहिल्याबाई होलकर की जयंती के मौके पर उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानिए, ताकि हर नारी अहिल्याबाई होलकर से सीख ले सकें। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आरती सिंह कार्यक्रम का संचालन करते हुए अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई एक न्यायप्रिय व धर्मनिष्ठ शासिका थीं। जो धर्म और

नीति के पालन के लिए अपने पुत्र को भी मृत्युदंड देने को तत्पर थीं। वे भगवान शंकर की परम भक्त थीं और उन्होंने सोमनाथ व काशी विश्वनाथ जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के पुनर्निर्माण में योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें पुण्यश्लोक की उपाधि दी गई। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने कहा कि रानी अहिल्याबाई का जीवन देश के लिए सदैव प्रेरणादाई रहा है. उनको एक वीरांगना और शासक के साथ धार्मिक एवं सामाजिक सुधार में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किया जाता है. उन्होंने न केवल 30 वर्षों तक एक बड़े भूभाग पर शानदार शासन किया. बल्कि पूरे भारतवर्ष में घूम-घूम धार्मिक एवं समाज सुधार के अनगिनत कार्यों को अंजाम दिया. बदरीनाथ, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ आदि तमाम धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं मंदिरों के निर्माण में उनका योगदान है. भारतीय जनता पार्टी उनकी 300वीं जयंती को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर में जनसहयोग से मना रही है. ऐसे ही कार्यक्रमों को भाजपा महिला मोर्चा हर जिले में आयोजित करेंगी. मंच पर कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र राय, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉ नीतू दबास, प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कूजुर, जिला अध्यक्ष सचिन रवानी कोडरमा विधायक नीरा यादव,जमुआ विधायक मंजू देवी पूर्व विधायक नारायण दास पूर्व मंत्री राजपलिवार प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता झा, प्रदेश मंत्री सुचिता अर्चना बिहार प्रदेश प्र-वक्ता रीमा सिंह ,पूर्व दुमका नगर परिषद अध्यक्ष अमिता रक्षित, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विशाखा सिंह,रीता चौरसिया, संजीव जजव-ाड़े, दिवाकर गुप्ता नवल राय ,जिला प्रभारी सतेन्द्र सिंह,बबलू भगत एच डी मिश्रा (शिक्षा विद्) मौके पर जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया, संतोष उपाध्याय ,विजया सिंह मालती सिन्हा, अलका मलिका झा आशा झा सिमरन मिश्रा महामंडलेश्वर रोज मौसी तुफान महथा कन्हैया झा प्रो राजीव रंजन सिंह सचिन सुल्तानिया अमृत मिश्रा विनय चंद्रवंशी चंद्र शेखर खवाड़े रवि तिवारी ,प्रज्ञा झा आशीष दुबे दशरथ दास सोना धारी झा मनोज मिश्रा अभय आनंद झा आदि मौजूद थे मंच का संचालन महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रूपा केसरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने किया

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व.नरसिंह पंडित

पंडित जी ने नैतिक मूल्यों पर दिया जोर:अशोकानंद झा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर 28 मईः अपने जमाने में शिक्षा का अलख जगाने वाले महान शिक्षाविद स्व.नरसिंह पंडित की 22 वीं पुण्यतिथि बुधवार को मनाई गई। हिंदी विद्यापीठ में अयोजित समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि व्यवस्थापक अशोकानंद झा ने पंडित जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात अपने संबोधन में कहा कि मुझे भी नरसिंह पंडित जी से शिक्षा ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। साथ ही कहा कि पंडित जी से हमारा पारि-वारिक संबंध रहा है। उन्होंने मेरे पिता स्व.कृष्णानंद झा को शिक्षा प्रदान करने के बाद मुझे व मेरे पुत्र को भी आशीर्वाद प्रदान किया है। उनका व्यक्तित्व महान था। उन्होंने हमेशा नैतिक मूल्यों का निर्वहन किया। पंडित जी का हिंदी विद्यापीठ

के प्रति लगाव भी जगजाहिर है। उनके कार्य हमेशा प्रशंसनीय रहे। इस बीच अन्य वक्ताओं में बीएड कॉलेज की प्राचार्या डॉ.आशा मिश्रा ने पंडित जी को महान विभूति बताया। साथ ही कहा कि पंडित जी ने हमेशा सादा जीवन जीते हुए विद्यादान किया। वहीं गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के शिक्षक नीतीश द्वारी ने कहा कि पंडित जी शिष्यों को पढ़ाने में सात्विक आनंद की अनुभूति करते थे।उन्होंने कभी भी अर्थ को महत्व नहीं दिया। साहित्य प्रेस के प्रबंधक हिमांशु झा ने स्व.नरसिंह पण्डित एवं पूर्व व्यवस्थापक पूर्व मंत्री स्व.कृष्णानंद झा की गुरु शिष्य परंपरा को लोगों के लिए उदाहरण बताया। इस बीच पंडित जी के पुत्रद्वय क्रमशः मुनेंद्र पंडित एवं बीरेंद्र पंडित ने अपने स्व.पिता पंडित जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि पंडित जी की जन्मभूमि मुंगेर(बिहार) थी। कालांतर में वे स्वतंत्रता सेनानी पंडित विनोदानंद झा के संपर्क में आने के बाद देवघर आ गए। बाद में देवघर उनकी कर्मभूमि बन गयी। कार्यक्रम के आरंभ में आयोजनकर्ता गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय खवाड़े ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही दिवंगत प्राचार्य स्व.पंडित जी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए की अपने ज्ञान का छात्रों में सफल समावेश करने वाले शिक्षक हमेशा पूजनीय रहते हैं। स्व.नरसिंह पंडित जी वैसे ही शिक्षक के सर्वोत्तम उदाहरण हैं। इस अवसर पर हिंदी विद्यापीठ,बीएड कॉलेज एवं गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के तमाम शिक्षक व कर्मचारी समेत संस्थान के मीडिया प्रभारी शम्भू सहाय मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने जिला स्तर के अधिकारियों के साथ की बैठक

जवाबदेही और जिम्मेदारी के साथ जमीनी स्तर पर करे कार्य:- उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिका-री नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक-28.05.2025 को जिला स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर उनका परिचय प्राप्त किया और अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि अपने कार्यों के लिए समयबद्ध एक्शन प्लान हो तथा वस्तुनिष्ठ तथ्यों से अवगत रहें। आगे उन्होंने कहा कि केवल कार्य करते रहना महत्वपूर्ण नहीं बल्कि समयबद्ध परिणाम देना जरूरी है। साथ ही योजनाओं एवं

कार्यालय क्रियाकलापों की समीक्षा करते हुए अधिकारी अपने स्तर से क्षेत्र भ्रमण कर आमजनों के समस्याओं का निदान करें। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने सभी संबंधित विभागों से संचालित योजनाओं और परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि जिले में विकास कार्यों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ संचालित किया जाय, इसका विशेष रूप से ध्यान रखें। उपायुक्त ने तकनीकी विभागों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। *इस दौरान उपरोक्त के अलावा* अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेष कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर सिंह, सहायक नगर आयुक्त, कार्यपालक दण्डाधिकारी नगर पर्षद मधुपुर, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना, निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सरीता भारती, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थी।

पारा विधिक स्वयं सेवक द्वारा तलाश किये गये गुमशुदा व्यक्ति को परिजन को सौपा गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में पारा विधिक स्वयं सेवक कई स्तरों पर अपने कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में निभाते हैं अहम भूमिका, -सचिव। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के दो पारा विधिक स्वयं सेवक जिन्हें अधिकार मित्र भी कहा जाता है के द्वारा खोजा गया व्यक्ति रामजन्म मौर्या पुत्र स्व0 जयराम मोर्या निवासी ग्राम बडेरिया पो0 बेनीपुर तहसील भीती थाना भीती जिला अम्बेदकर नगर राज्य उत्तर प्रदेश को जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव तान्या पटेल द्वारा आज अपने प्रकोष्ठ में उनके परिजनों की उपस्थिति में सौपा गया। इस अवसर पर रामजन्म मौर्या के बड़े भाई विजय लाल मोर्या द्वारा सचिव को बताया गया कि रामजन्म मौर्या लगभग 15 वर्ष पूर्व घर से गायब हुए थे जिनकी तलाश कई स्तर पर किये जाने के बावजूद कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी परन्तु जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार मित्र द्वारा खोजने की सूचना मिलने पर आज उपस्थित होकर अपने भाई को सकुशल देखकर काफी हर्ष हो रहा है। ज्ञातव्य है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार मित्र नरेन्द्र कुमार एवं राजेन्द्र यादव द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को यह सूचना दी गयी थी कि जिला पदाधिकारी और सिंह कोठी के आवास के बीच नाले के समीप झाड़ी के आस-पास कई दिनों से अधेड़ को देखा जा रहा है इसपर कार्यालय द्वारा दिये गये निर्देश पर अधिकार मित्र द्वारा अधेड़ व्यक्ति से पूछा गया कि आप कौन है

और आप कहां के रहने वाले हैं, उनसे पूछताछ करने पर सारा मामला पता चला और उस अधेड़ व्यक्ति के द्वारा अपना नाम और गाव की जानकारी अधिकार मित्र को दी गयी इसपरा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर अधिकार मित्र द्वारा सत्यापन हेतु भीती थाना से सम्पर्क कर इनके घर वालों से बात की और सत्यापन हो जाने के उपरान्त इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को दिया गया। गुमशुदा व्यक्ति के परिजन से सम्पर्क करने पर उनके द्वारा बताया गया कि औरंगाबाद आ रहे हैं और आज उनके परिजन के आगमण पर उनके परिजन को 15 वर्ष से गुमशुदा व्यक्ति को लिखित रूप में सौपा गया। गुमशुदा व्यक्ति को उनके भाई को सौपने के उपरान्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राजकुमार द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया तथा इस प्रकार की भविष्य में भी कार्य एवं पहल करने के लिए प्रेरित भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव द्वारा बताया गया कि पारा विधिक स्वयं सेवक कई स्तरों पर अपने कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में अग्रणी भूमिका निभाते हैं सचिव द्वारा बताया गया कि पंचायत से लेकर गॉव तक पारा विधिक स्वयं सेवकों की पहूँच होती है जिसके कारण जिला विधिक सेवा प्राधिकार से सम्बन्धित प्रत्येक गतिविधि में उनकी भूमिका अहम होती है। सचिव द्वारा इस कार्य के लिए लिए पारा विधिक स्वय नरेन्द्र कुमार एवं राजेन्द्र यादव की प्रशसा करते हुए कहा कि आपके द्वारा किये गये पहल के कारण 15 वर्ष पूर्व बिछड़े परिवार के बीच खुषी का वातावरण उत्पन्न हुआ है जिसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं।

ऑपरेशन सिंदूर : नरेंद्र मोदी के स्वागत में रोड शो और रैली का आयोजन

बिहार सरकार के मंत्री कृष्ण कुमार सिंह और भाजपा नेता राकेश सिंह कार्यक्रम को लेकर कार्यकताओं के साथ मिलकर की तैयारी

दिघवारा, ।बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मंटू सिंह तथा सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह का दिघवारा पहुंचने पर दिघवारा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद नीतू देवी तथा मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह के नेतृत्व में हाथी घोड़े तथा बैंड बाजे के बीच सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोगों के उपस्थिति में स्वागत व अभिनंदन किया,साथ ही अंग वस्त्र देकर दोनो आगंतुक अतिथियों को सम्मानित किया इस दौरान मंत्री कृष्ण कुमार सिंह सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के आपार सफलता के बाद 29 मई तथा 30 मई को प्रधानमंत्री रोड शो तथा रैली में भाग लेने हेतु सभी को निमंत्रण भी दिया इससे पहले मंत्री कृष्ण कुमार मंटू व भाजपा नेता र-ाकेश सिंह रिवीलगंज, गरखा, छपरा, दरियापुर आदि क्षेत्रों का दौरा कर रैली में अधिक से अधिक संख्या में चलने के लिए प्रेरित किया।मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष दीपक गुप्ता,युगल प्रसाद,अमरेंद्र चौरसिया,वार्ड पार्षद मुनेश्वर पासवान,रणधीर मालाकार,वीरेंद्र पंडित,टुनटुन सिंह,नीतू सिंह,रुपाली सिंह,बिहा-री,शैलेश कुमार,पंकज कुमार,राजकुमार के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपथित थे।

चपरा गांव में मछली पालक किसान को नक्सलियों ने दी धमकी, लेवी की मांग को लेकर परचा थमाया

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) बंदेया थाना क्षेत्र स्थित चपरा गांव से नक्सली गतिविधियों की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां तालाब में मछली पालन करने वाले किसान गया पासवान को अज्ञात नक्सली ने लेवी की मांग करते हुए धमकी भरा परचा थमा दिया। थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना बीती रात की है जब चेहरा ढके एक अज्ञात नक्सली चुपचाप गया पासवान के पास पहुंचा और उसके हाथ में एक परचा थमा दिया। परचे में साफ तौर पर लिखा था कि ₹लेवी की रकम नहीं देने पर गंभीर अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो।₹ इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है। गया पासवान ने इस संबंध में बंदेया थाना में अपनी लिखित शि₹कायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात नक्सली के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने केस को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और नक्सली की पहचान के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। वहीं, मछली पालक किसान गया पासवान और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। यह घटना नक्सली गतिविधियों के फिर से सिर उठाने के संकेत के रूप में देखी जा रही है, जिसे लेकर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

बहुत कुछ है, जिस की पर्दादारी है !

>> विचार

"ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका के साथ-साथ, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की है। संभवतः इसी प्रस्ताव का रास्ता तैयार करने के लिए, मोदी सरकार ने सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया था, जिस पर विपक्षी पार्टियों ने इस आधार पर आपत्ति भी की थी कि चूंकि यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यमंत्रियों को ब्रीफ करने के लिए बुलायी जा रही थी, विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर क्यों रखा जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजनीतिक राय की एकता की जिस तरह की मांग सत्तापक्ष और मीडिया में उसके पक्षधरों द्वारा उठायी जा रही थी, यह भी उसके इकतरफापन का एक और उदाहरण था। लेकिन, नरेंद्र मोदी एकता के ऐसे तकाजों से रुकने वाले नहीं थे।

राजेंद्र शर्मा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, राजस्थान में बीकानेर की अपनी सभा में प्रधानमंत्री मोदी, डॉयलागबाजी के अपने शीर्ष पर थे। यहां श्रोताओं की जोरदार तालियों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ इसी का बखान नहीं किया कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सफलता तथा सटीकता के साथ, पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डों को तबाह कर दिया गया, उन्होंने इसका भी बखान किया कि किस तरह भारत ने पाकिस्तान के सीने पर ऐसा तगड़ा प्रहार किया था, जिससे पाकिस्तानी सेना लड़ाई रुकवाने के लिए बातचीत की प्रार्थना करने पर मजबूर हो गयी। भारत ने उसे अच्छी तरह समझा दिया है कि आइंदा उसके खिलाफ आतंकवादी हरकत की गयी, तो उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी; पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, पाकिस्तान की सेना को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी आदि। बहरहाल, डॉयलागों की इस शृंखला का सिरमौर था प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर वाला डॉयलाग - "अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गरम सिंदूर दौड़ रहा है"! चाहे यह सिर्फ संयोग हो या बरबस वास्तविक मंतव्य का सामने आ जाना, प्रधानमंत्री मोदी को बीकानेर की इस सभा के मौके पर, पांच साल पहले बालाकोट एअर स्ट्राइक के बाद राजस्थान में ही चुरू में हुई अपनी सभा खूब याद थी। यह तो सभी जानते हैं कि बालाकोट एअर स्ट्राइक पुलवामा के आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई थी, जिसमें सुरक्षा बलों के करीब चालीस जवान शहीद हुए थे। लेकिन, यह शायद ज्यादा लोगों को याद नहीं होगा कि चुरु की उक्त सभा से ही, जिसमें भी प्रधानमंत्री मोदी ने 'देश नहीं मिटने दूंगा, देश नहीं झुकने दूंगा' की प्रभावशाली डॉयलागबाजी की थी, पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के राजनीतिक और वास्तव में 2019 के आम चुनाव के लिए, दोहन के जबर्दस्त अभियान की शुरूआत हुई थी। बीकानेर की सभा से प्रधानमंत्री मोदी ने उसी सिलसिले के एक और चक्रकी शुरूआत कर दी लगती है। यह संयोग ही नहीं है कि सिंदूर के प्रतीक को सचेत रूप से इस अभियान के केंद्र में बनाए रखा जा रहा है। सिंदूर के प्रतीक का अगले कुछ ही महीने में होने वाले बिहार के विधानसभाई चुनाव के लिए और उसके कुछ और आगे, अगले साल के आरंभ में होने

वाले बंगाल-असम के चुनावों के लिए विशेष महत्व है, हालांकि हिंदी सिनेमा से लेकर शिक्षा तथा सांस्कृतिक लेन-देन तक, प्रतीकों के सार्वदेशीकरण की प्रक्रिया में धीरे-धीरे सिंदूर, देश भर में विवाहिता के एक चिन्ह के रूप में स्थापित हो गया है, जोकि विडंबनापूर्ण तरीके से पितृसत्ता का प्रतीक भी है। इसीलिए, यह संघ परिवार के प्रिय प्रतीकों में से है, जो स्त्री के पूरे व्यक्तित्व को ही उसके वैवाहिक दर्जे में घटाने की कोशिश करता है। यह संयोग ही नहीं है कि संघ के इसी नजरिए को स्वर देते हुए, हरियाणा से भाजपा के सांसद, रामचंद्र जांगड़ा ने तो उन औरतों को, जिनके पतियों/पिताओं की पहलगाम में आतंकवादियों ने हत्या की थी, बाकायदा इसके लिए फटकारा है कि उन्होंने मौके पर "वीरांगना के भाव" का प्रदर्शन नहीं किया! सत्ताधारी पार्टी के सांसद के अनुसार, उनका वीरांगना के भाव का प्रदर्शन न कर के हाथ जोड़ना ही, उनके अपनों के काल का कारण बना। होना तो यह चाहिए था कि वे भले खुद शहीद हो जातीं, पर लाठी-डंडा जो भी मिल जाता, उसी से सामने से मुकाबला करतीं, पर वे तो हाथ जोड़े रहीं। बस संघ परिवार के नेता के इतना कहने की ही कसर रह गयी कि जब घर के पुरुष ही मार दिए गए, फिर इन महिलाओं के जिंदा रहने का क्या फायदा? यहां आकर सिंदूर के प्रतीक के उपयोग की वह प्रतिगामिता खुलकर सामने आ जाती है, जिसकी ओर 'ऑपरेशन सिंदूर' के आरंभ में ही कई नारीवादियों और जनतंत्रवादियों ने इशारा किया था। पुनः जैसाकि मोदी राज में नियम ही बन गया है, इस अभियान के केंद्र में भी, सेना को हटाकर मोदी को लाया जा चुका है। यह, ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद, 13 से 23 मई तक के भाजपा के देशव्यापी अभियान में पहले ही किया जा चुका था। अब जगह-जगह लगे होर्डिंगों, बैनरों पर, कहीं हवाई जहाजों के साथ, तो कहीं तोपों के साथ, सैनिक पोशाक में सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी हैं। बीकानेर की सभा के दो-तीन दिन बाद ही, प्रधानमंत्री गुजरात के दौरे पर निकल गए हैं, जहां रोड शो समेत तरह-तरह के उन्हीं पर केंद्रित कार्यक्रमों के जरिए, मोदी की छवि के गिर्द ऑपरेशन सिंदूर और उसमें जीत के दावों को पुख्ता किया जाएगा। यह शायद इसलिए और भी जरूरी है कि अभी चुनाव में थोड़ा सा वक्त बाकी है यानी हवा को अपेक्षाकृत ज्यादा दिन तक बनाए रखना है।यह भी कोई संयोग नहीं है कि नीति आयोग की काउंसिल के मौके पर आयोजित, एनडीए के मुख्यमंत्रियों तथा उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक ने, बाकायदा एक प्रस्ताव पारित कर, ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका के साथ-साथ, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की है। संभवतः इसी प्रस्ताव का रास्ता तैयार करने के लिए, मोदी सरकार ने सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया था, जिस पर विपक्षी पार्टियों ने इस आधार पर आपत्ति भी की थी कि चूंकि यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यमंत्रियों को ब्रीफ करने के लिए बुलायी जा रही थी, विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर क्यों रखा जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजनीतिक राय की एकता की जिस तरह की मांग सत्तापक्ष और मीडिया में उसके पक्षधरों द्वारा उठायी जा रही थी, यह भी उसके इकतरफापन का एक और उदाहरण था। लेकिन, नरेंद्र मोदी एकता के ऐसे तकाजों से रुकने वाले नहीं थे। उनकी निगाह अपनी प्रशंसा के प्रस्ताव पर थी और इसका नतीजा यह हुआ कि एकता की सारी लफ्फाजी के बीच सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों-उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई, जिसने खुशी-खुशी उक्त प्रस्ताव पारित किया। इस इकतरफापन का एक और भी बड़ा उदाहरण, विपक्ष के सारे आग्रह के बावजूद, मोदी सरकार का संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार नहीं होना और इसके बजाए, सांसदों के नेतृत्व में विभिन्न देशों में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का था, जिसमें पुनः आतंकवाद के मुद्दे पर राष्ट्रीय राय की एकता का वही संदेश दिया जाना है। इन प्रतिनिधिमंडलों के लिए सत्तापक्ष द्वारा जिस तरह से विपक्ष से प्रतिनिधियों को चुना गया है, वह भी उसी इकतरफापन का एक और उदाहरण है। बहरहाल, राष्ट्रमत की यह कथित एकता तब कथित राष्ट्रमत की तानाशाही का रूप ले लेती है, जब इसके सहारे तमाम सवालों को दबाया जाने लगता है, भले ही वे सीधे शासन को कटघरे में खड़े करने वाले सवाल न हों, जैसे पहलगाम में सुरक्षा चूक के सवाल और जम्मू-कश्मीर में धारा-370 के खत्म किए जाने के बाद से, आतंकवाद के आखिरी सांसें गिन रहे होने के ढपोरशंखी दावों के सवाल, जो सीधे शासन को कटघरे में खड़ा करते हैं। विपक्ष के नेता, राहुल गांधी जब सीमावर्ती इलाके में पुंछ में, भारत-पाकिस्तान के बीच घोषित-अघोषित युद्ध की विभीषिका झेल रहे लोगों से जाकर मिले, इसने प्रभावशाली ढंग से यह याद दिलाया कि युद्ध से प्रभावित होने वाले ये लोग भी इसी देश के नागरिक हैं। राजधानियों के फैसलों के नतीजे में इन सीमावर्ती इलाकों को जो झेलना पड़ता है, क्या राजधानियों के फैसलों में उसका समुचित या पर्याप्त हिसाब रखा जाता है? युद्ध संबंधी निर्णयों की इस कीमत की मौजूदा निजाम में शायद ही कभी चर्चा सुनाई देती हो। इसीलिए, प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी भाषण, किसी भी बयान में, सीमावर्ती इलाकों के लोगों की इन मुश्किलों और कुर्बानियों का भी कोई जिक्रतक नहीं मिलता है। लेकिन, क्या सैन्य विकल्प का कोई भी फैसला करते हुए, इस कीमत को भी हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा ही एक और मुद्दा, जिसे राहुल गांधी ने ही प्रभावशाली तरीके से उठाया है, युद्ध के वास्तविक नतीजों का है। मोदी सरकार, ऑपरेशन सिंदूर के खत्म नहीं होने के स्वांग की आड़ में, इसकी न्यूनतम प्रामाणिक जानकारियां तक छुपा कर रखने की कोशिश कर रही है कि इस लड़ाई में हमें क्या और कितनी कीमत चुकानी पड़ी है? सत्ताधारी पार्टी के पास एक ही रटा-रटाया जवाब है - यह ऐसे सवालों के जवाब देने का समय नहीं है। वास्तव में इसके पीछे मूल समझदारी यह है कि सरकार के सिवा और किसी को ऐसी जानकारी की जरूरत ही क्या है? दूसरी ओर मिट्टी में मिला देने से लेकर धूल चटा देने तक के दावों को अंतहीन तरीके से दोहराया जा रहा है। इस तरह एक ऐसा नैरेटिव गढ़ा जा रहा है, जिसमें सरकार और उसके गोदी मीडिया की ओर से बोलने वालों की मानें तो, भारत के लिए युद्ध की कोई कीमत ही नहीं है, जबकि पाकिस्तान के लिए इकतरफा तरीके से भारी कीमत है। इस तरह का असंतुलित विचार बाकायदा युद्धोन्माद को हवा दे रहा है। और यह युद्धोन्माद, संघ-भाजपा की मूल कार्यनीति के साथ बखूबी फिट बैठता है, हालांकि आपरेशन सिंदूर के शस्त्रविराम को अपने अनुयाइयों के ही गले उतरवाने में उन्हें भी अच्छी-खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। दुर्भाग्य से कथित राष्ट्रमत की तानाशाही, विपक्ष के भी बड़े हिस्सों को इसी गाड़ी के पीछे घिसटने के लिए मजबूर करती नजर आ रही है। नसों में दौड़ते सिंदूर की डॉयलागबाजी, इसी सब पर पर्दा डालने का साधन है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोकलहर' के संपादक हैं।)

संपादकीय

भरोसा बढ़ेगा

पहलगाम में जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जगेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं।

पर्यटक बढ़े : सरकारी आंकड़े बताते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से 99.93 लाख से अधिक पर्यटकों ने घाटी की सैर की। जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा।

डराना था मकसद : ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था। इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की।

आर्थिक झटका : पहलगाम के बाद जम्मू-कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल-टैक्सी वगैरह की 90% तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है।

अकेला नहीं छोड़ना : सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ-साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है।

प्रयास बढ़ाए जाएं : उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में यह सुझाव भी दिया था कि ढरव२ के लिए कश्मीर में बैठक करना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही, संसदीय समितियों को भी घाटी में जाकर मीटिंग करनी चाहिए। ये कदम छोटे-छोटे ही सही, पर स्थानीय लोगों में सुरक्षित होने का अहसास पैदा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस कड़ी में पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की यह बात भी गौर करने लायक है कि केवल टूरिज्म पर निर्भर न रहकर इंडस्ट्री लाई जाए। इससे तमाम दूसरे रास्ते अपने आप खुल जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के निष्कर्षों से सीखें सबक

एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर (अ.प्रा.)

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक यूं खत्म होना एकदम अप्रत्याशित था झ्ववास्तव में, यह किसी परीक्षा-पत्र में 'पाठ्यक्रम से इतर' आए सवाल की तरह रहा! हालांकि, अच्छा हुआ कि पूर्ण पैमाने का युद्ध टल गया और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम का आगे उल्लंघन नहीं होगा। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखे हुए हों, तथापि कुछ निष्कर्ष ऐसे हैं जो समीक्षा के रूप में निकाले जा सकते हैं। सर्वप्रथम, मौजूदा सेना के रिवायती त्रि-सेवा तंत्र ने रणभूमि कमान के बिना भी काम कर दिखाया है। इसलिए, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए नरसंहार और 7 मई को आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद तीन दिन चले हमलों की शुरुआत होने के बीच की अवधि में थल और वायुसेना ने बड़ी विशेषज्ञता से संयुक्त योजना की रूपरेखा तय कर इनके परिणाम दिए। पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के हमले निरंतर, तीव्र और सघन थे और हमारी प्रतिक्रियाएं भी समान रहीं, लगभग सभी पाकिस्तानी प्रक्षेपास्त्र (यूएवी, मिसाइल, सशस्त्र और बिना हथियार वाले ड्रोन) सफलतापूर्वक गिरा लिए गए, इसका श्रेय भारतीय वायुसेना के स्वदेश विकसित एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) को जाता है, जो सभी सैन्य और नागरिक राडार जनित समग्र सूचना को एकीकृत स्क्रीन पर संश्लेषित कर दिखा देता है। यह प्रणाली लक्ष्यों से पैदा होने वाले खतरों का इलेक्ट्रॉनिक आकलन करके, युद्ध नियंत्रक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो भी हथियार प्रणाली सबसे उपयुक्त हो, उसका इस्तेमाल कार्रवाई करने का आदेश देती है। दूसरा, चार दिनों तक चले आपसी टकराव मुख्यतः पूरी तरह से न सही, हवाई माध्यम से चोट पहुंचाने वाले रहे। यह टकराव एक ऐसे सघन वायु रक्षा प्रणाली से लैस इलाके में हुए, जहां दोनों पक्ष वार-प्रतिवार की हवाई लड़ाई लड़ रहे थे, यह स्थिति इराक, अफगानिस्तान और सीरिया में पश्चिमी ताकतों द्वारा और गाज़ा एवं लेबनान पर इस्राइलियों द्वारा की गई हवाई बमबारी से उलट थी, जहां उन्हें अपने अभियानों में विरोधियों के हवाई हमला निरोधक उपायों का सामना नहीं करना पड़ता। स्वाभाविक है युद्ध में नुकसान भी होता है और यह संघर्ष की एक अनन्य प्रकृति है कि आक्रामक पक्ष को कुछ नुकसान झेलना ही पड़ता है, निश्चित रूप से भारतीय वायुसेना इसका भी आलोचनात्मक विश्लेषण करेगी। अब उपलब्ध फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चलता है कि भारत के यूएवी और मिसाइलों के हमले बहुत प्रभावी रहे, और यह तथ्य है कि पाकिस्तान भर में फैले उसके ग्यारह फ्रंटलाइन एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना ने करारी चोट की है और यह हमारी पहुंच और हथियारों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या और वायु-शक्ति के बारे में काफी खबरें आती रही हैं और चूंकि हमारी सीमाएं आगे भी सक्रिय रहेंगी, इसलिए भारतीय वायुसेना की प्रहारक क्षमता बनाए रखने पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हथियार प्रणाली, एन्क्रिप्टेड संचार और प्रहारक क्षमता जैसे कि एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, एरियल फ्लाइट रिफ्यूलर और अत्याधुनिक अस्त्रास्त्र जैसी प्रणालियों की जरूतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतिम विश्लेषण में यह याद रखना चाहिए कि यह एक अन्य उदाहरण रहा, जब वायु शक्ति की प्रभावशीलता ने शांति स्थापना की दिशा में राजनीतिक और कूटनीतिक वार्ता की राह प्रशस्त की। तीसरा, हालांकि एस-400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यतः मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है। गौरतलब है कि यह क्षमता डीआरडीओ और निजी क्षेत्र के सम्मिलित उद्यम से बनी है और वास्तव में यह बहुत उत्साहजनक है। ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम की प्रचुर उपलब्धता रहने के पीछे क्षेत्रीय कमानों के वाइस चीफ और कमांडर-इन-चीफ को दी गई आपातकालीन शक्तियों का परिणाम भी हो सकता है। वहीं भारतीय वायुसेना द्वारा डिजाइन की गई कम दूरी की एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणाली, सरफेस-टू-एयर मिसाइल फॉर एश्योर्ड रिटेलिएशन (एसएएमएआर) के रूप में अपने ही संस्थानों में विकसित किए स्वदेशी अस्त्र बहुत काम आए। यह एसएएमएआर हमने सरफेस-टू-एयर मिसाइल के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली रूस निर्मित आर-73 और आर-27 एयर टू एयर मिसाइलों का नवीनीकरण करके पाया है (वरना इससे पहले उनका जीवनकाल समाप्त होने पर कबाड़ के रूप में खुर्द-बुर्द करना पड़ता था)। यह बताता है कि हमारे अपने संस्थानों में तीक्ष्ण बुद्धि दिमाग हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। यहां पर, उन अथक वायु रक्षा गनर्स (जिन्होंने लगातार एल-70 एंटी एयरक्राफ्ट गन जैसे रिवायती शस्त्रास्त्र चलाए) और बीएसएफ के जवान (जिन्होंने एंटी-यूएवी सिस्टम को प्रभावशाली रूप से इस्तेमाल किया) द्वारा किए गए अद्भुत काम की सराहना करना लाजिमी है। चौथा, एक आम आदमी जिसकी सूचना तक पहुंच केवल मीडिया से मिले समाचारों तक थी, लगता है इस बारे में नागरिक-सैन्य-राजनयिक तंत्र ने अच्छा काम किया है। एक ईमानदार मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है कि क्या नवीनतम स्थिति युद्ध विराम समझौते की ओर ले जाने वाली घटनाओं और युद्ध विराम को स्वीकार करने से पहले मिले आश्वासनों के अनुरूप है। इसका उत्तर इस एक अकेले प्रश्न के उत्तर में निहित होगा, क्या हर बार आतंकवादी कार्रवाई होने पर इस किस्म की गतिज कार्रवाई करने की आवश्यकता पड़ेगी? हालांकि पाकिस्तान को याद रहे कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा होने पर बदले में दंडात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। पांचवां, क्या युद्ध विराम इस बात का संकेत है कि हम लगभग पूर्ण युद्ध की कगार पर पहुंच चुके थे? कुछेक प्रश्नों को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। पहलगाम के आतंकवादी कहां हैं, जिन्होंने अपने निर्दयी नरसंहार से यह सब शुरू किया था? क्या यह आश्वासन दिया गया है कि पाकिस्तान उन्हें ढूंढ़कर सौंप देगा? इतना ही महत्वपूर्ण पहलू यह है कि चूंकि शिमला समझौते में आपसी समस्याओं का समाधान केवल द्विपक्षीय वार्ता के जरिए निकालने की बात कही गई है, इसलिए युद्ध विराम की घोषणा करते समय अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो के बयान का यह भाग कि 'सभी मुद्दों पर तटस्थ जगह पर चर्चा करें', इस पर आधिकारिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। यह करना फौरी तौर पर जरूरी है क्योंकि 'सभी मुद्दे' शब्द से समस्याओं का पिटारा खुल सकता है। और अंत में, किंतु सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बात का जवाब चाहिए कि क्या चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ वाली प्रणाली, जिसके लिए यह टकराव पहली परीक्षा रहा, क्या उसने वह काम कर दिखाया जिसके लिए इसकी स्थापना हुई थी। सैन्य मिशनों की योजना वास्तव में कौन बना रहा था और 'युद्ध' को अंजाम किसने दिया झ्व एकीकृत रक्षा स्टाफ ने या फिर सेना और वायु सेना के क्षेत्रीय कमान मुख्यालयों के कमांडर-इन-चीफ इन कार्रवाइयों का संचालन कर रहे थे? इस प्रश्न का उत्तर हमारे उच्चतर रक्षा संगठन तंत्र (थिएटराइजेशन) के फिलहाल जारी पुनर्गठन में एक अमूल्य योगदान होगाझ्व युद्ध की भट्टी से तपकर निकले अनुभव से ज्यादा बढ़िया सबक दुबारा मिलना असंभव होगा। वास्तव में, यह करना उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं को एक उचित श्रद्धा होगी जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का नेतृत्व किया।

(लेखक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक हैं।)

कोरी 'लक्ष्मण रेखा' से ही नहीं होगा तंबाकू निषेध

पंकज श्रीवास्तव

शिक्षण संस्थानों के साथ उससे जुड़े संस्थान जैसे हॉस्टल, कोचिंग व लाइब्रेरी आदि की 100 गज की परिधि में तंबाकू उत्पादों की बिक्री रोकने के लिए अब और सख्ती की जाएगी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस यानी ३१ मई से छेड़े जाने वाले अभियान को लेकर भारत सरकार की ओर से जो गाइलाइन प्रशासन और स्कूलों के पास पहुंची है जिसमें एक बिंदु अहम है। गाइड लाइन में कहा गया है कि ऐसी संस्थाओं के 100 गज के दायरे में एक पीली रेखा खींची जाए। साथ ही इसके अंदर यदि कोई तंबाकू उत्पाद बेचने को लेकर संदिग्ध दुकान आ रही है तो उस पर कार्रवाई की जाए। एक तरह से यह 'लक्ष्मण रेखा' होगी। इस तरह से रेखाएं खींचना ये जानने का तरीका तो हो सकता है कि शैक्षणिक संस्था के आसपास का संबंधित हिस्सा तंबाकू मुक्त है या नहीं। पर इससे

तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सकेगी इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात सही है कि ऐसे उत्पादों को शैक्षणिक संस्थाओं से दूर रखना ही चाहिए लेकिन बड़ी जरूरत इस बात की है कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के प्रयास किए जाएं। मामूली जुर्माना प्रावधान से क्या तंबाकू की बिक्री शिक्षण संस्थाओं की तय परिधि में रोकी जा सकती है? क्योंकि तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 में तो महज २०० रुपए के जुर्माना का प्रावधान है। सजा सख्त नहीं होंगी तो कितने ही अभियान चलाए जाएं इन्हें रोकना मुश्किल काम है। ऐसी रेखा खींचने से तो एक तरह से निर्धारित दूरी से थोड़ी ही दूरी पर तंबाकू बिक्री और आसान हो जाएगी। जबकि प्रयास इस बात के होने चाहिए कि किशोर वय में ही बच्चों को तंबाकू सेवन से कैसे रोका जाए? होना तो यह चाहिए कि 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे या किशोर को यदि कोई तंबाकू उत्पाद बेचते पाया जाए तो उसे सीधे जेल भेजा जाए। जुर्माना जैसी कार्रवाई में राशि भी ज्यादा ही होनी चाहिए। उन लोगों पर भी सख्ती होनी चाहिए जो बच्चों से तंबाकू उत्पाद मंगवाते हैं। ऐसी सामग्री का प्रचार करने वाले संचार माध्यमों व सिने कलाकारों को भी पाबंद करना होगा। सोशल मीडिया पर नशे को महिमा मंडित कर रहे चैनलों पर रोक लगानी होगी। ऐसी फिल्में और ओटीटी सीरीज पर रोक लगानी होगी जिनमें युवाओं को नशे में दिखाया जाता है। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि सिर्फ जमीनी लक्ष्मण रेखाएं ही नशे के रावण को रोक नहीं सकती हैं। इसके लिए संबंधित विभागों और कानून के तरकश में ऐसे बाण होना चाहिए जिनका भय आरोपी के मन में समा जाए। देश के किसी भी हिस्से में चले जाएं आज तो शिक्षण संस्थाओं के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रशासन की नाक के नीचे होते दिख जाएगी। तंबाकू बेचने वाले भी और इसका इस्तेमाल करने वाले भी, नियम- कायदों को धता बताने से कोई नहीं चूक रहा। हकीकत तो यह है कि लक्ष्मण रेखा से कोई दायरा तो तय हो सकता है लेकिन सख्ती कानून के कठोर प्रावधानों से ही हो सकती है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

मुंगेर में बने हथियारों से पटना में लंबे समय से सज रही थी हथियारों की मंडी, पुलिस ने किया खुलासा

भारी मात्रा में देसी पिस्टल सहित 10 मौत के सौदागर गिरफ्तार, हथियारों के खरीद बिक्री का चल रहा था गैंग

अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के लिए चर्चित मुंगेर की राह पर राजधानी पटना

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : पटना में बोरिंग रोड फायरिंग केस में आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रहने के कारण सवालों के घेरे में आए पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पटना में चल रहे हथियारों के बिजनेस का खुलासा किया है। जिसका तार अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित मुंगेर से जुड़ा हुआ है. पुलिस ने बताया कि कुछ लोग बाहर से हथियार लाकर पटना में बेच रहे थे, जिसकी जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो महिला सहित 10 हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसमें मुंगेर के दो मौत के सौदागर भी शामिल हैं. गिरफ्तार तस्करों के पास से बेचने के लिए लाए गए हथियार भी जब्त किए गए हैं. जानकारी देते हुए शरत आरएस, पश्चिमी एसपी ने बताया कि बेऊर झजक्कनपुर इलाके में 70 फिट महावरी कॉलोनी स्थित साई निवास में अवैध आग्नेयास्त्र एवं मादक एकत्रित होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस की टीम इस पर काम कर रही थी। जिसके बाद मामले में पुलिस ने एक घर में छापेमारी की। जहां से दो महिला सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह लोग पटना में हथियारों और मादक पदार्थों की बिक्री का पूरा गैंग चला रहे थे। जिनमें अलग अलग जिले के लोग शामिल हैं। मुंगेर की तर्ज पर पटना में मिनी गन फैक्ट्री लगाने की थी तैयारी पटना पश्चिमी एसपी शरत आर एस ने बताया कि गिरफ्तार हथियार तस्कर मुंगेर की तर्ज पर बिहार की राजधानी पटना में भी मिनी गन फैक्ट्री का निर्माण करने वाले थे। हथियार तस्कर सागर दो महीने से पटना में थे एक्टिव, डिमांड देख गन की अवैध फैक्ट्री लगाने की फिराक में था । मौत के सौदागर मुंगेर से मंगाते थे हथियार, यहीं से भेजा जाता था अन्य जिलों में हथियार पश्चिमी एसपी ने बताया कि ये लोग मुंगेर से अवैध हथियार मगवाते हैं और मुनाफा लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहकर्मियों के सहयोग से बिकी करते हैं। इसके साथ-धाथ मादक पदार्थ गांजा का भी कारोबार करते हैं। गिरफ्तार लोगों में दो मुंगेर से हथियारों की डिलिवरी के लिए पहुंचे थे। बाकि यहां से हथियार लेकर दूसरे जिले में बेचने के लिए ले जाते थे। मकान में हथियारों के निर्माण के सामान भी जब्त किए गए है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुछ-ताछ के दौरान इस काड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है। इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार तस्करों के पास से देसी पिस्टल-10, मैगजीन-18, दूल्स बॉक्स-10 लोहे का रेती-10, पिस्टल का स्प्रिंग-06, नगद-51.000/- रुपया, मोबाइल-13, बाइक-01, मादक पदार्थ गांजा-800 ग्राम, चार चक्का वाहन-02 जब्त किया गया है। जिन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें 1. सागर कुमार पे. स्व. सुरेश सिंह सा. धर्मपुर थाना अथमलगोला जिला पटना, वर्तमान 70 फीट महावीर कॉलोनी साई निवास सविता देवी के मकान में किरायेदार थाना बेडर जिला पटना।, 2.अभिषेक कुमार उर्फ मोकली पे. संजीव पोददार सा. मकससपुर छोटी मस्जिद थाना कासिम बाजार जिला मुंगेर 3.सन्नी कुमार पे. अशोक सिंह सा. पुरानी दुर्गा स्थान थाना कासिम बाजार जिला मुंगेर। 4.आर्यण कमार पे. विमलेश सिंह सा. पतलापुर थाना शाहपुर जिला पटना। 5. विकास कुमार पे. दारोगा सिंह सा. पतलापुर थाना शाहपुर जिला पटना। 6. रोहित सिंह पे. स्व. कमलेश सिंह ग्राम धर्मपुर थाना अथमलगोला जिला पटना। 7. राहुल चौधरी पे. राजेश चौधरी सा माणिकपुर थाना सिमरी जिला बक्सर. 8. अंजली सिंह, पति सागर कुमार सा. बाजार समिति राघोपुर थाना विहटा जिला पटना, वर्तमान पता-70 फीट, महावीर कॉलोनी साई निवास, सचिता देवी के मकान में किरायेदार थाना बेउर जिला पटना। 9. सविता कमारे पति राजकिशोर सिंह सा. 70 फीट महावीर कॉलोनी साई निवास, सविता देवी के मकान में किरायेदार थाना बेडर जिला पटना।, 10 शुभम कुमार पे मौला कुमार गुप्ता सा. बाजार समिति राघोपुर थाना चिहटा जिला पटना शामिल हैं। छापामारी दल में कौन-कौन थे शामिल पुलिस की कार्रवाई में पुनि रितुराज सिंह, थानाध्यक्ष जक्कनपुर, पुनि अमरेन्द्र साह थानाध्यक्ष बेउर थाना, परि पुअनि रजनीगंधा, बेउर थाना, परि पुअनि संतोपी कुमार बेउर थाना, जक्कनपुर एवं बेऊर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे.

बिहार के दरभंगा में शिक्षक की बेरहमी से हत्या, साइकिल से स्कूल जा रहे थे...रास्ते में अपराधियों ने मार दी गोली, मचा हड़कंप

दरभंगा : बिहार में दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बुधवार की सुबह एक शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

किराए के मकान में रहते थे

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मधुबनी जिले के परसौनी निवासी शिक्षक मंसूर आलम अपनी साइकिल से प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर निस्ता जा रहे थे। इसी दौरान भरवाड़ा-कमतौल पथ अपराधियों ने शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। मंसूर आलम वर्ष 2006 से उर्दू शिक्षक के रूप में सिंघवारा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय, निस्ता में तैनात थे और दरभंगा जिले के सिंघवारा थाना क्षेत्र के भरवाड़ा शंकरपुर में किराए के मकान में रहते थे।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर दो) ज्योति कुमारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। बहुत जल्द मामले का पदार्फाश कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (DMCH) भेज दिया गया है। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। स्कूल के शिक्षकों से पूछताछ की गई है। घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए नाकेबंदी कर छापेमारी की जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

07 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अविध में विस्तार

हाजीपुरः ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनके सुविधाजनक आवागमन हेतु चलायी जा रही 07 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अविध में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी सं. 04504 चंडीगढ़-पटना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे चंडीगढ़ से 05.06.2025 से 10.07.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी । 2. गाड़ी सं. 04503 पटना-चंडीगढ़ स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे पटना. से 06.06.2025 से 11.07.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलायी जाएगी । 3. गाड़ी सं. 09067 उधना-जयनगर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे उधना से 01.06.2025 से 29.06.2025 तक प्रत्येक रविवार को चलायी जाएगी । 4. गाड़ी सं. 09068 जयनगर-उधना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे जयनगर से 02.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 5. गाड़ी सं. 09069 उधना-समस्तीपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे उधना से 07.06.2025 से 28.06.2025 तक प्रत्येक शनिवार को चलायी जाएगी । 6. गाड़ी सं. 09070 समस्तीपुर-उधना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे समस्तीपुर से 09.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 7. गाड़ी सं. 07315 हुब्बल्लि-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे हुब्बल्लि से 02.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 8. गाड़ी सं. 07316 मुजफ्फरपुर-हुब्बल्लि स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे मुजफ्फरपुर से 05.06.2025 से 03.07.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी । 9. गाड़ी सं. 07311 वास्को द गामा-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे वास्को द गामा से 09.06.2025 से 23.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 10. गाड़ी सं. 07312 मुजफ्फरपुर-वास्को द गामा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे मुजफ्फरपुर से 12.06.2025 से 26.06.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी । 11. गाड़ी सं. 06563 यशवंतपुर-गया स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे यशवंतपुर से 21.06.2025 एवं 28.06.2025 (शनिवार) को चलायी जाएगी । 12. गाड़ी सं. 06564 गया-यशवंतपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे गया से 23.06.2025 एवं 30.06.2025 (सोमवार) को चलायी जाएगी । 13. गाड़ी सं. 06211 मैसूर-दरभंगा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे मैसूर से 17.06.2025 एवं 24.06.2025 (मंगलवार) को चलायी जाएगी । 14. गाड़ी सं. 06212 दरभंगा-मैसूर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे दरभंगा से 21.06.2025 एवं 28.06.2025 (शनिवार) को चलायी जाएगी ।

नेत्रवेदम – अत्याधुनिक आंख अस्पताल का पटना में हुआ भव्य उद्घाटन

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

पटना :- स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में आज पटना को नेत्रवेदम के रूप में एक अत्याधुनिक आंख अस्पताल की सौगात मिली। इस अस्पताल का उद्घाटन बिहार सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा किया गया। कंकड़बाग (एम.आइ

.जी.80ए, पी.सी.कॉलोनी) पटना में स्थित यह अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा केंद्र, आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है और इसका उद्देश्य पटना एवं आसपास के जिलों के नागरिकों को विश्वस्तरीय नेत्र उपचार की सुविधा प्रदान करना है। अस्पताल में नवीनतम उपकरणों से युक्त ऑपरेशन थिएटर, रेटिना क्लिनिक, ग्लूकोमा क्लिनिक,कॉर्निया क्लीनिक, मोतियाबिंद इलाज, ऑप्टिकल यूनिट तथा फामेर्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। इस मौके पर उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री ने कहा : मैं नेत्रवेदम जैसे अत्याधुनिक और सुपरस्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के उद्घाटन पर अत्यंत हर्षित हूँ। यह न केवल पटना, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है कि अब नेत्र रोगों के इलाज के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं हमारे अपने राज्य में उपलब्ध हैं। यह अस्पताल न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से उन्नत है, बल्कि इसकी सेवाओं में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी साफ झलकता है। विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए जो निःशुल्क जांच और परामर्श की व्यवस्था की गई है, वह अत्यंत सराहनीय है। मैं डॉ. सबिताभ कुमार और उनकी टीम को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि नेत्रवेदम, सेवा और उत्कृष्टता का प्रतीक बनेगा। यह अस्पताल आने वाले समय में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में बिहार को एक नई ऊँचाई प्रदान करेगा। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. सबिताभ कुमार ने कहा,हमारा संकल्प है कि किसी भी व्यक्ति को नेत्र रोग के कारण अंधकार में न रहना पड़े। हम गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती नेत्र चिकित्सा सेवाएं समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना चाहते हैं। इस मौके पर उपस्थित पटना की जानी-मानी नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर पल्लवी ने कहा अब पटना में ही उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे पटनावासियों और बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले को इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी है। अस्पताल में विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की एक अनुभवी टीम नियुक्त की गई है, जो मरीजों को समर्पित सेवाएं प्रदान करेगी। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर ,और परामर्श सेवाएं भी नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी। यहां आयुष्मान भारत के कार्ड होल्डरों को भी मुफ्त में आयुष्मान स्कीम के तहत इलाज किया जाएगो

सेंगोल हटाओ, लोकतंत्र बचाओ : संसद में संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की पी.डी.ए. गठबंधन की मांग

नई दिल्ली, ।

कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आज पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पी.डी.ए.) मंच की ओर से एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संसद भवन में स्थापित सेंगोल की वैधानिकता, प्रतीकात्मकता और संवैधानिक प्रभाव पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और मोहनलालगंज से सांसद आर. के. चौधरी ने किया, साथ ही समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव ने भी विचार रखे। सेमिनार का विषय यह था कि सेंगोल, जो ऐतिहासिक रूप से तमिलनाडु में शाही सत्ता के प्रतीक के रूप में प्रयुक्त होता था, क्या लोकतांत्रिक भारत की संसद में स्थापित किया जाना उचित है। वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि संसद जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों की संस्था है, न कि किसी शासक वर्ग का प्रतीकात्मक स्थल। आर. के. चौधरी ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि सेंगोल एक शाही परंपरा का प्रतीक है, जबकि भारतीय संसद लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में किसी राजचिह्न के बजाय भारतीय संविधान की विशाल प्रति को स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि यह सदैव स्मरण रहे कि देश का शासन संविधान द्वारा संचालित होता है, न कि परंपरागत राजसत्तात्मक प्रतीकों से। वहीं मनोज यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज जब लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के मूल तत्वों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, ऐसे समय में संसद में सेंगोल की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विरुद्ध प्रतीत होती है। संविधान ही भारत की आत्मा है, और उसकी सर्वोच्चता ही देश को एकता और न्याय की दिशा में आगे ले जाती है। सेमिनार में यह भी कहा गया कि सेंगोल की स्थापना प्रतीकात्मक रूप से न्याय का प्रतिनिधित्व भले करता हो, परंतु उसकी उत्पत्ति शाही परंपरा में है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता और नैतिक आधार संविधान से आता है, न कि किसी राजकीय या धार्मिक प्रतीक से। वक्ताओं ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि संसद भवन में संविधान की एक विशाल प्रति को प्रमुखता से स्थापित किया जाए, जिससे लोकतंत्र, समानता और प्रतिनिधित्व के मूल्यों की पुनर्पुष्टि हो सके। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने ₹संविधान को बचाना है, सेंगोल को हटाना है और सेंगोल हटाएं झ्र देश बचाएं जैसे नारों के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया।

शहीद हवलदार संतोष यादव को यदुवंश महासभा की ओर से दी गई श्रद्धांजलि

शहीद के बच्चों की पूरी शिक्षा व्यवस्था उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान में कराए जाने की महासभा ने उठाई मांग

मुंगेर। जम्मू के नौशेरा सेक्टर में शहीद हुए सेना के हवलदार संतोष यादव को यदुवंश महासभा की ओर से श्रद्धांजलि दी गई। जानकारी देते हुए यदुवंश महासभा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव शबनम यादव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मानसी कुमारी ने कहा कि मुंगेर जिला तथा भागलपुर जिला से यदुवंश महासभा की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल नवगछिया प्रखंड अंतर्गत इस्माइलपुर के समीप भिट्टा गांव पहुंचकर शहीद हवलदार संतोष यादव के परिजनों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने शहीद हवलदार संतोष यादव के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। यदुवंश महासभा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने कहा कि शहीद हवलदार संतोष यादव की वीरता, निष्ठा और देशभक्ति हर भारतवासी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। बिहार के भागलपुर जिला निवासी भारतीय सेना के हवलदार संतोष यादव ने कश्मीर में देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। शहीद हवलदार संतोष यादव परिवार से मुलाकात के

बाद यदुवंश महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यजीत यादव, भागलपुर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश यादव, महानगर अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य अजय यादव ने बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा है कि शहीद संतोष यादव के बच्चों को आगे की पूरी शिक्षा की व्यवस्था प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में सरकार द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शहीद हवलदार के बच्चों को भविष्य में तकनीकी शिक्षा यह किसी अन्य क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण करने की रुचि हो तो वह भी सरकार द्वारा मुफ्त में मुहैया कराने की दिशा में पहल की जानी चाहिए। शहीद हवलदार के बच्चों तथा अन्य परिजनों से मुलाकात करने के बाद महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि इस दुख भरी बेला में भी शहीद का पूरा परिवार देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है। परिजनों के कुशल व्यवहार के कारण यहां अपनापन महसूस हुआ। बुद्धिजीवी जिला अध्यक्ष भागलपुर महेंद्र प्रसाद यादव ने शहीद संतोष यादव के पुत्र लव यादव को आशीर्वाद दिया। शिक्षा के प्रति विशेष रूप से ध्यान देने तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को उत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में डरना नहीं है। निडर बनकर आपको भी देश की सेवा करना है और यादव समाज का नाम रोशन करना है। अभिषेक यादव ने कहा कि शहीद संतोष यादव का जल्द से जल्द स्मारक बनाया जाए। शहीद के गांव में सड़क और नाले की जर्जर अवस्था को जल्द से जल्द दुरुस्त करने तथा पेयजल की समस्या को भी जल्द से जल्द दूर करने के लिए बिहार सरकार से ठोस कदम उठाए जाने का निवेदन किया है। उन्होंने मांग किया है कि भागलपुर जिले में किसी स्कूल अथवा कॉलेज का नामकरण शहीद संतोष यादव के नाम पर किया जाए।

Vote for Earth, Vote for Democracy ! थीम पर त्रिदिवसीय SVEEP जागरूकता अभियान हेतु समीक्षा बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आगामी त्रिदिवसीय रश्एएढ विशेष जागरूकता अभियान के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह अभियान विश्व साइकिल दिवस (03 जून) से विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) तक आयोजित किया जाएगा, जिसकी थीम Vote for Earth, Vote for Democracy !निर्धारित की गई है। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी महोदय ने बताया कि निर्वाचन विभाग के निदेर्शानुसार यह अभियान आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदाताओं को न केवल अपने मतदान अधिकार के प्रति जागरूक करेगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतना से भी जोड़ने का कार्य करेगा। इस अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों जैसे नए मतदाता, युवा, महिलाएँ, दिव्यांगजन एवं अन्य सभी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने जानकारी दी कि 03 जून 2025 को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर इस त्रिदिवसीय अभियान की शुरूआत एक भव्य साइकिल रैली से की जाएगी। यह रैली गेट स्कूल मैदान से प्रारंभ होकर नए समाहरणालय स्थल, सिंचाई कॉलोनी के मैदान तक आयोजित होगी। इस रैली में स्काउट एवं गाइड के छात्र, 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी, कॉलेज छात्र-छात्राएं, सरकारी कर्मचारी, अधिकारी एवं नए मतदाता शामिल होंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य साइकिल चलाओ, वोटिंग बढ़ाओ एवं फिट भी वोटर, हिट भी वोटर जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है। साथ ही

दिव्यांग मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु एक विशेष दिव्यांगजन साइकिल यात्रा का भी आयोजन किया जाएगा, जो उनकी सशक्त भागीदारी का प्रतीक होगा। 04 जून 2025 को मतदाता संवाद दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सामुदायिक केंद्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मतदाता जागरूकता से संबंधित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें ईवीएम एवं वीवीपैट का डेमो, मतदान पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी, पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की शपथ, पर्यावरणीय मतदान का संकल्प एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशन की जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही स्कूल एवं कॉलेजों में मेहंदी, पोस्टर, रंगोली इत्यादि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिनके माध्यम से जन से संवाद - मतदान का संदेशह्व को प्रभावी रूप से प्रसारित किया जाएगा। 05 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर SVEEP अभियान के अंतर्गत जिले के लो वोटर टर्नआउट (Low VTR) वाले मतदान केंद्रों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मतदान केंद्रों के आसपास स्वच्छता अभियान एवं मतदाता शपथ के माध्यम से नागरिकों को न केवल मतदान के प्रति बल्कि पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति भी सजग किया जाएगा। इस अवसर पर हर वोट के साथ एक पौधा लगाओह्व, स्वस्थ लोकतंत्र, हरा पर्यावरणह्व, मैं वोट दूंगा - मैं पेड़ लगाऊंगा और Green Future, Stronger Democracy जैसे संदेशों के माध्यम से जनसाधारण को प्रेरित किया जाएगा। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती रत्ना प्रियदर्शिनी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद गजाली, डीपीएम स्वास्थ्य मोहम्मद अनवर आलम, डीपीओ शिक्षा श्री दयाशंकर, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती विनीता कुमारी, डीआरडीए के निदेशक श्री अनुपम कुमार, प्रमुख सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर सुश्री दीपशिखा, सनीश कुमार, अंकित सिन्हा, मयंक पाठक, आदित्य राज, रोशन राज एवं शुभम राज सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीमती रुचि सिंह तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में सम्मिलित हुए।

सीईईडब्ल्यू ने लॉन्च की इंडियाज हीटवेव हीरोज सीरीज, बतायेगी भीषण गर्मी से निपटने के स्थानीय समाधान

नई दिल्ली। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने इंडियाज हीटवेव हीरोजः लोकल सॉल्यूशंस इन ए हॉटर वर्ल्ड नामक वीडियो सीरीज लॉन्च की। पांच भागों में बनी यह यूट्यूब सीरीज देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से निपटने के स्थानीय प्रयासों और नवाचारों को उजागर करती है। इस सीरीज को लोकप्रिय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स ने होस्ट किया है, जिनमें अभिनेता आशीष विद्यार्थी, अशरफ एक्सेल, अलीवा मिश्रा (लुईस गुड लाइफ), शक्ति सिंह (ट्रैवलिंग मंडेज) और श्वेता राठौर (विट्टीस्पेस) शामिल हैं। गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में यह सीरीज ऐसे ग्रासरूट चैंपियंस और स्थानीय संस्थाओं को रेखांकित करती है जो गर्मी से निपटने की सामर्थ्य और कूलिंग इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह सीरीज ऐसे समय में आई है जब भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती मौसमी अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है–देश के भीतरी हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं, उत्तर भारत में मई में रिकॉर्ड वर्षा हुई है और दक्षिण व पूर्वोत्तर में समय से पहले मानसून ने दस्तक दी है। सीईईडब्ल्यू के एक हालिया अध्ययन में सामने आया है कि भारत के 57 प्रतिशत जिले अत्यधिक हीट रिस्क का सामना कर रहे हैं।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी की राह हुई आसान, बोनी कपूर ने जमा किया लेआउट प्लान

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह अब आसान हो गई है। निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया। अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर-21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ रुपये है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से लेआउट प्लान को सबमिट किया है। अब प्राधिकरण इसका अवलोकन और परीक्षण करेगा, जिसके बाद उन्हें कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुणवीर सिंह ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा।

राहुल के 'नॉट फाउंड सूटेबल' पर शिक्षा मंत्री ने गिनाए आंकड़े, कहा मोदी सरकार ने दूर की पिछड़ों की बाधायें

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर 'झूठ और फरेब' की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को अपना अधिकार मिल रहा है। वहीं कांग्रेस काल में उन्हें इससे वंचित रखा गया था। धर्मेन्द्र प्रधान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक आरोप का जवाब दे रहे थे। इसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि योग्य उम्मीदवार न मिलने का बहाना कर सरकार जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को शिक्षा और नेतृत्व से दूर रख रही है। इसके जवाब में आंकड़ों के साथ शिक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी को पीलिया हुआ है इसीलिए उनको सबकुछ पीले रंग का ही दिखाई पड़ता है। या यूं कहें कि हर अच्छे में भी उन्हें बुरा ही दिखाई पड़ता है। शिक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के इन आरोपों का एक्स पर जवाब दिया। प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'नॉट फाउंड सूटेबल' (योग्य उम्मीदवार नहीं मिला) जैसी व्यवस्था कांग्रेस की दलित-विरोधी नीति की देन थी। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने 2019 में ऐतिहासिक कानून लाकर इस अन्याय का अंत किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब कांग्रेस की इस राजनीति की सच्चाई समझ चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को पुरस्कृत किया

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से स्वातंत्र्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर 'राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार' देकर सम्मानित किया। मुंबई में हो रही बारिश की वजह से आज यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के शासकीय आवास वर्षा बंगले पर आयोजित किया गया। छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार इस वर्ष से दिए जाने की घोषणा की गई थी। कार्यक्रम में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित गीत अनाड़ी मी.. अनंत मी... के लिए 2025 का छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार के रुप में अमित शाह ने दो लाख रुपये का धनादेश स्वातंत्र्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों को सौंपी। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन जीने और मरने दोनों के लिए प्रेरणा देता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले उपराष्ट्रपति, शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए सदा तैयार हों

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम चरण 7 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी शक्ति की आवश्यकता है। युद्ध से सबसे अच्छा बचाव तब होता है जब हम शक्ति की स्थिति में हों। शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहें। शक्ति केवल तकनीकी क्षमता या पारंपरिक हथियारों से नहीं आती, बल्कि यह जनता से भी आती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हम केवल अपने मौलिक अधिकारों की बात करते हैं, उन्हें 24×7 मांगते हैं, और मौलिक कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह उदासीन रहते हैं।ज़ अगर हम केवल अपने अधिकारों पर ध्यान दें और कर्तव्यों की अनदेखी करें, तो हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में एक नागरिक के रूप में

अपने दायित्व को पूरा नहीं करते। संविधान में शुरू में ये कर्तव्य नहीं थे। हमारे संविधान निर्माताओं ने अपेक्षा की थी कि हम इन कर्तव्यों के प्रति स्वाभाविक रूप से समर्पित रहेंगे। लेकिन बाद में जब इसकी आवश्यकता महसूस हुई, तो इन्हें 42वें और 86वें संविधान संशोधन के माध्यम से शामिल किया गया। यदि मैं मौलिक कर्तव्यों का सार बताऊं, तो यह है कि राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता देना, लोक व्यवहार, अनुशासन, सार्वजनिक संवाद, पर्यावरण और जीवन में भलाई की सभी बातों में अपना योगदान देना।' उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि हम योगदान कैसे करें? स्वदेशी का विचार आर्थिक राष्ट्रवाद से जुड़ा हुआ है। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपभोग करें। 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाएं। यह हमारे कारीगरों को प्रेरित करेगा कि वे हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। लेकिन अगर हम उन वस्तुओं का आयात करते हैं जिन्हें देश में बनाया जा सकता है, तो तीन समस्याएं उत्पन्न होती हैं- एक, विदेशी मुद्रा भंडार पर अनावश्यक दबाव; दूसरा, अपने देश के लोगों से रोजगार छीनना; और तीसरा, उद्यमशीलता को कुंद करना। हर व्यक्ति योगदान दे सकता है - वह क्या पहनता है, क्या खाता है, कौन से जूते पहनता है।

राष्ट्रपति ने 68 हस्तियों को प्रदान किए पद्म पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने दूसरे चरण में राष्ट्रपति भवन में 68 विभूतियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। देश के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में आज चार को पद्म विभूषण, 8 को पद्म भूषण और 56 को पद्मश्री प्रदान किए गए।जस्टिस (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर, कुमुदिनी लाखिया (मरणोपरांत), डॉ. शारदा सिन्हा (मरणोपरांत), डॉ. शोभना चंद्रकुमार को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, नल्ली कुप्पुस्वामी चेत्ती, डॉ. बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत), कैलाश नाथ दीक्षित, जतिन गोस्वामी, डॉ. मनोहर जोशी (मरणोपरांत), अनंत नाग, साध्वी ऋतंभरा, वेलु आसन को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 56 हस्तियों को पद्मश्री प्रदान किए गए।

पाकिस्तानी सेना आईसीयू में, आतंकवाद को लेकर सख्त भारत : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि पाकिस्तान सेना मौजूदा समय में आईसीयू में है। तरुण चुघ ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि गुजरात के गांधीनगर में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से यह साफ है कि अब भारत आतंकवाद के खात्मे को एक लक्ष्य मानता है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में अपने संबोधन में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को महज 20 मिनट में ध्वस्त कर दिया। इसे हमने वीडियो में भी कैद कर लिया, ताकि अगर कोई सबूत मांगे, तो उसे दिखा सकें। पाकिस्तान इस बात को जानता है कि वह हमसे जीत नहीं सकता, इसलिए वह सीमापार से आतंकवादी भेजकर यहां पर माहौल को अव्यवस्थित करना चाहता है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। भाजपा नेता तरुण चुघ ने प्रधानमंत्री के इस संबोधन को 140 करोड़

देशवासियों की आवाज बताया। कहा कि आज की तारीख में देशवासी नहीं चाहते हैं कि कोई भी आतंकवादी अपना फन उठाए। पाकिस्तान को हर हमले की कीमत चुकानी होगी। साथ ही, तरुण चुघ ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को 'बारात' कहने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता सेना की बहादुरी पर सवाल उठा रहे हैं और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के संबंध में विवादित टिप्पणी कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ की। बोले, अगर बाला साहेब ठाकरे जिंदा होते, तो प्रधानमंत्री मोदी को गले लगाते। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया।

उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) पर हिंदुत्व की विचारधारा से समझौता किए जाने की निंदा की। कहा कि पहले जो नेता हिंदुत्व की बातें किया करते थे, अब वह पार्टी हनुमान चालीसा पढ़ने वालों को जेल भेज रही है। अब इन लोगों को आपत्ति हो रही है कि आखिर कोई कैसे हनुमान चालीसा पढ़ सकता है।

शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 29 मई से देशभर में चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रारंभ हो रहे देशव्यापी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस अभियान की शुरूआत 29 मई को पुरी (ओडिशा) से की जाएगी, जहां केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह भी शामिल होंगे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के मुताबिक 15 दिनों तक चलने वाले इस वृहद अभियान के दौरान शिवराज सिंह चौहान करीब 20 राज्यों में प्रवास करेंगे। इस दौरान वह किसानों एवं वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के साथ ही उनसे सीधा संवाद करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 29 मई को ओडिशा के बाद 12 जून तक के अभियान के दौरान जम्मू, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, मेघालय, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश,

दिल्ली और छत्तीसगढ़ में किसानों व वैज्ञानिक टीमों के साथ संवाद में सहभागिता करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों के सहयोग से 29 मई से 12 जून तक 700 से अधिक जिलों में यह अभियान आयोजित किया जाएगा। इस दौरान वैज्ञानिकों की टीम गांवों में जाकर किसानों से संवाद करेगी। अभियान में देशभर के सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), आईसीएआर के सभी 113 संस्थानों, राज्यस्तरीय विभागों एवं कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही प्रगतिशील किसान व कृषि से जुड़े अन्य लोग शामिल होंगे।

सीबीआई की बड़ी जीतः इंटरपोल के नए सिल्वर नोटिस से पकड़े गए 2 बड़े धोखेबाज, दुबई में भी मिली संपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरपोल ने 'सिल्वर नोटिस' नामक एक नई पहल शुरू की है, जिससे सदस्य देश वांछित अपराधियों की संपत्तियों से संबंधित अलर्ट और जानकारी साझा कर सकेंगे। यह पहल वित्तीय अपराधों से प्राप्त संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें जब्त करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि सिल्वर नोटिस और डिफ्यूजन के माध्यम से, सदस्य देश धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, नशीले पदार्थों की तस्करी, पर्यावरणीय अपराध और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़ी संपत्तियों के बारे में जानकारी का अनुरोध कर सकते हैं। यह नोटिस अपराधियों द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग की गई संपत्तियों, जैसे अचल संपत्ति, वाहन, बैंक खाते और व्यवसायों का पता लगाने और उनके बारे में जानकारी जुटाने में मदद करेगा। इस जानकारी का उपयोग बाद में

द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर संपत्ति की जब्ती, कुर्की या वसूली के लिए किया जा सकता है, जो राष्ट्रीय कानूनों के अधीन होगा। प्रवक्ता ने बताया कि सिल्वर नोटिस को वर्तमान में 51 देशों और क्षेत्रों के साथ एक पायलट चरण के रूप में लॉन्च किया गया है, जो कम से कम नवंबर 2025 तक चलेगा। इस पायलट चरण में प्रत्येक देश 9 सिल्वर नोटिस प्रकाशित करवा सकता है। भारत ने सीबीआई, ईडी और एनसीबी द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में सिल्वर नोटिस प्रकाशित करने के लिए पहले ही अनुरोध प्रस्तुत कर दिए हैं। पहला नोटिसः शौकीन शुभम के खिलाफ (वीजा धोखाधड़ी) 23 मई, 2025 को, सीबीआई ने भारत का पहला सिल्वर नोटिस शौकीन शुभम के खिलाफ प्रकाशित करवाया। शुभम नई दिल्ली स्थित एक विदेशी दूतावास में कार्मिक वीजा और स्थानीय कानून अधिकारी था।

उसने सितंबर 2019 से मई 2022 के बीच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर वीजा आवेदकों से 15,00,000/- रुपये से 45,00,000/- रुपये तक की अवैध राशि लेकर शेंगेन वीजा जारी करने में मदद की। इस आपराधिक आय से उसने दुबई, यूएई में 7,760,500 दिरहम (लगभग 15,73,51,250 रुपये) की छह अचल संपत्तियां हासिल कीं। इससे पहले, सीबीआई ने उसके ठिकाने का पता लगाने के लिए उसके खिलाफ एक ब्लू नोटिस भी प्रकाशित करवाया था।

भारत में विकसित होगा ई-हनसा, अगली पीढ़ी का इलेक्ट्रिक ट्रेनर विमान

नई दिल्ली। भारत ने अगली पीढ़ी के दो-सीटर इलेक्ट्रिक ट्रेनर विमान 'ई-हनसा' (इलेक्ट्रिक हनसा) के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस विमान का विकास वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला (एनएएल) बेंगलुरु द्वारा किया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत लगभग दो करोड़ रुपये होगी। यह कीमत विदेशी ट्रेनर विमानों की कीमत से लगभग आधी है। यह जानकारी आज केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। वह विज्ञान भवन में सभी प्रमुख विज्ञान विभागों के सचिवों के साथ उच्चस्तरीय मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री के साथ ही सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि नया विमान सीएसआईआर की राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला बेंगलुरु द्वारा पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। ई-हनसा, हनसा-3 (न्यू जेनरेशन) ट्रेनर विमान कार्यक्रम का हिस्सा है। इसे

पायलट प्रशिक्षण के लिए एक किफायती और स्वदेशी विकल्प के रूप में तैयार किया जा रहा है। भारत का ई-हनसा विमान देश के हरित विमानन लक्ष्यों और स्वच्छ ऊर्जा आधारित विमानों के उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल से बिरला ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की आवश्यक

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरी मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। उन्होंने सभी देशों से इसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की।

अध्यक्ष बिरला ने आज संसद भवन में श्रीलंका की संसद के डिप्टी स्पीकर और संसद की समितियों के सभापति डॉ. रिज्वी सालीह के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका की मित्रता सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। दोनों देशों के बीच बौद्ध धर्म की साझी विरासत को भी उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच फिनटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका में यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली की शुरुआत और पर्यटन के लिए समुद्री रास्तों में

सुधार की बात की। बिरला ने भारत की संसद में तकनीकी नवाचारों के महत्व पर जोर दिया। कहा कि संसद डिजिटल और एआई तकनीकों के जरिए पारदर्शिता और जन भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। डॉ. रिज़वी सालीह ने भारत के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। श्रीलंका का संसदीय शिष्टमंडल इस समय संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग ले रहा है।

एनएचआरसी ने तमिलनाडु में टैंक की सफाई के दौरान श्रमिकों की मौत पर जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में एक निजी औद्योगिक इकाई में बिना किसी सुरक्षात्मक उपायों के सीवेज टैंक की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत का संज्ञान लिया है। आयोग ने लापरवाही के लिए वहां के आला अफसरों को नोटिस भी जारी किया है। वहां पर 19 मई को हुए हादसे में एक श्रमिक की हालत गंभीर है। आयोग ने तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जानकारी के अनुसार श्रमिक तिरुप्पुर के कराईपुदुर क्षेत्र में एक रंगाई मिल में कार्यरत थे। उन्हें कारखाने के सीवेज टैंक को साफ करने के लिए कहा गया था। एनएचआरसी का कहना है कि वे लगातार पर्याप्त और उचित सुरक्षात्मक उपाय व आवश्यक उपकरण के बिना खतरनाक सफाई की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। साथ ही काम के अनुकूल और प्रौद्योगिकी आधारित रोबोटिक मशीनो का उपयुक्त प्रयोग किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि रिपोर्टों के अनुसार टैंक में उतरने के कुछ ही देर बाद चारों का दम घुटने लगा और वे बेहोश हो गए। सहकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला और एक निजी अस्पताल ले गए।

विश्व परिक्रमा करके भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी 29 मई को गोवा के तट पर लौटेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। आईएनएसवी तारिणी पर सवार होकर विश्व परिक्रमा के लिए निकलीं भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी 29 मई को गोवा के तट पर लौटेंगी। भारतीय नौसेना नाविका सागर परिक्रमा द्वितीय के विजयी दल का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस असाधारण नौकायन अभियान को पिछले साल 02 अक्टूबर को गोवा के नौसेना महासागर नौकायन नोड से रवाना किया गया था। गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर इस ऐतिहासिक घटना के ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, जो औपचारिक रूप से जल यात्रा के समापन का प्रतीक होगा। नौकायन पोत तारिणी से नौसेना की दो साहसी महिला अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए को 02 अक्टूबर को इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर गोवा से रवाना किया गया था। आठ महीनों के दौरान नौसेना की इस जोड़ी ने चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन ग्रेट केप में 25,400 एनएम (लगभग 50,000 किमी) की दूरी तय की, जिसमें मौसम की प्रतिकूल स्थिति और चुनौतीपूर्ण समुद्रों का सामना किया। दोनों महिलाओं ने फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप) और केप टाउन

(दक्षिण अफ्रीका) के बंदरगाहों पर विराम लिया। इस दौरान इन महिला अधिकारियों ने कई कूटनीतिक और आउटरीच कार्यक्रमों में भाग लिया, दुनिया भर के सांसदों, भारतीय प्रवासियों, स्कूली बच्चों, नौसेना के कैडेटों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ बातचीत की। उनकी उपलब्धियों के लिए पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई संसद में विशेष आमंत्रित के रूप में सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों को स्थानीय समुदायों, अंतरराष्ट्रीय नौकायन संगठनों और विदेशी संसदों से सराहना मिली, जो महिला सशक्तीकरण, समुद्री उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में काम कर रहे हैं।यात्रा के दौरान चालक दल को 50 नॉट (93 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ-साथ तूफानी मौसम की स्थिति और बेहद ठंडे तापमान का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रत्येक चरण की अपनी चुनौतियां थीं, लेकिन लिटलटन से पोर्ट स्टेनली तक की यात्रा का तीसरा चरण सबसे कठिन था। चालक दल ने तीन चक्रवातों का सामना किया, खतरनाक ड्रेक पैसेज से गुजरा और केप हॉर्न को सफलतापूर्वक पार किया। यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व-संध्या पर रक्षा मंत्री के साथ चालक दल को बातचीत करने का अवसर मिला। इसके अलावा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी विभिन्न अवसरों पर चालक दल के साथ बातचीत की।

जमाई षष्ठी पर अमित शाह का 'शाही' दौरा, एक जून को कोलकाता में करेंगे भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी एक जून को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे। राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसी दिन कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में भाजपा की एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बैठक आयोजित की जाएगी। यह दौरा उस दिन हो रहा है, जब बंगाल में पारंपरिक जमाई षष्ठी का त्योहार मनाया जाता है। अमित शाह का यह दौरा कई हफ्तों की अनिश्चितता और तारीखों के फेरबदल के बाद तय हुआ है। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि शाह मई के अंत में बंगाल आएंगे, लेकिन फिर भाजपा की राज्य इकाई ने कुछ पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए दौरा टालने की अपील की थी। इस कारण दौरे की तारीख को लेकर असमंजस बना रहा। हालांकि,

अब साफ हो गया है कि शाह एक जून को ही बंगाल आएंगे और पार्टी के सभी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के एक वर्ग ने जमाई षष्ठी के दिन कार्यक्रम को लेकर आपत्ति जताई थी क्योंकि इस दिन पारिवारिक आयोजन होते हैं। लेकिन विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि जमाई षष्ठी की रस्में आमतौर पर दोपहर तक खत्म हो जाती हैं, इसलिए कार्यक्रम में उपस्थित रहने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। इस दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव 2026 की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। शाह इस दौरान बंगाल भाजपा की संगठनात्मक स्थिति का जायजा लेंगे और चुनावी रणनीति को लेकर मार्गदर्शन देंगे। बंगाल भाजपा लंबे समय से अमित शाह के दौरे का इंतजार कर रही थी। पार्टी के भीतर इसको लेकर कई दौर की चर्चाएं और रणनीतिक बैठकों का सिलसिला भी चला। अंततः केंद्र और राज्य नेतृत्व के बीच सहमति बनने के बाद एक जून की तारीख तय की गई। शाह की मौजूदगी से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होने की उम्मीद है।

नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

मुंबई। टोक्यो स्थित फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के लिए 90 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एकसचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड का 5 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम तथा प्रमोटरों और अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 80 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयर को जारी करना और प्रमोटरों तथा अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 8 मिलियन शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) भी इसमें शामिल है। कंपनी के मुताबिक यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें इस ऑफर का कम से कम 75 फीसदी आवंटन योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। आईपीओ के लिए इक्रिरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर के तौर पर काम करेंगे।

भारत की फिनटेक फर्म व्यापारियों और एमएसएमई को सशक्त बना रही हैं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंदीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की फिनटेक कंपनियां देश के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को मजबूत करने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में मदद कर रही हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नोएडा में स्थित डिजिटल फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स के कार्यालय का दौरा करने के बाद यह बात कही। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने पाइन लैब्स के कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों से बातचीत की। इस अवसर पर सीतारमण ने देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीई) के विस्तार और व्यापारियों तथा एमएसएमई के लिए निर्बाध, सुरक्षित और समावेशी वित्तीय सेवाओं को सक्षम करने में भारत की फिनटेक फर्मों के योगदान की सराहना की। वित्त मंत्री ने मोबाइल रिटेलर और पाइन लैब्स के ग्राहक कुलदीप चौहान से भी बातचीत की हैं, जिन्हें भारत के बढ़ते फिनटेक इकोसिस्टम और मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) से बहुत लाभ हुआ है। कुलदीप मोबाइल हाउस के मालिक चौहान नोएडा में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स बेचने वाले तीन रिटेल स्टोर संचालित करते हैं। देशभर में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने से उनके व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सरकार ने निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए जारी, एक जून से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के लाभों को बहाल कर दिया है। ये लाभ एक जून, 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा कर दी है। ये लाभ एक जून 2025 से किए गए सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घरेलू टैरिफ क्षेत्र के लिए 10,780 एचएस लाइनों और एए/ईओयू/एसईजेड खंडों के लिए 10,795 एचएस लाइनों के तहत निर्यात का समर्थन करने के लिए 18,233 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

बोरोना वीव्स के शेयरों ने आईपीओ निवेशकों को किया खुश, मजबूत लिस्टिंग के बाद शेयरों पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। अनब्लीच्ड सिंथेटिक ग्रे फैब्रिक बनाने वाली कंपनी बोरोना वीव्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 216 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री 12.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 255.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 18.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।बोरोना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 147.85 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी इकोनॉमी, छोटे व्यापारियों के लिए नया सवेरा : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना देश के छोटे व्यापारियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की व्यापारिक संरचना में एक शक्तिशाली बदलाव का संकेत है-विशेष रूप से उन छोटे व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। घरेलू खपत में वृद्धि, वैश्विक व्यापारिक रिश्ते और डिजिटल परिवर्तन के साथ छोटे व्यवसाय अब एक स्वर्णिम युग की दहलीज़ पर खड़े हैं। खंडेलवाल ने एक बयान में कहा कि देश और विदेश दोनों स्तर पर बड़े बाजारों तक पहुंच अब पहले से अधिक होगी जिससे घरेलू खपत में तेज़ी आएगी और स्थानीय व्यवसायों के लिए एक बड़ा बाज़ार तैयार होगा। बेहतर होते व्यापारिक रिश्ते और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए निर्यात के नए अवसर खोलेंगे। खंडेलवाल ने आगे कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाला सहयोग और सुधार-जैसे कि पीएलआई (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजनाएं और एमएसएमई के लिए क्रेडिट योजनाएं-छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाएंगे। जीएसटी में सुधार, व्यापार करने में आसानी और अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाना छोटे व्यापारियों के लिए व्यापार को और सहज बनाएगा। उन्होंने कहा कि तेज़ी से हो रहा डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स की पैठ छोटे व्यापारियों को अपने क्षेत्र से बाहर भी ग्राहकों तक पहुंचने में मदद कर रही है, वहीं सशक्त सप्लाई चेन के माध्यम से सड़कों, रेलवे, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन से लागत में कमी और डिलीवरी समय में सुधार होगा। 'मेक इन इंडिया' और 'चाइना +1' रणनीति के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ेगी। खंडेलवाल ने कहा कि बढ़ती आर्थिक ताकत के चलते अब बैंकों, फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी द्वारा छोटे व्यापारियों को अधिक फाइनेंस और क्रेडिट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही छोटे व्यापारियों का औपचारिकरण उन्हें सरकार की योजनाओं, टेंडर और संरचित ऋणों के लिए पात्र बनाता है। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से छोटे व्यापारियों और उनके कर्मचारियों को डिजिटल टूल्स, अकाउंटिंग, मार्केटिंग और निर्यात जैसे विषयों में स्किलिंग दी जा रही है, जिससे दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास संभव होगा। नवाचार आधारित प्रोत्साहन योजनाएं जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देंगी। खंडेलवाल ने विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रिटेल और ट्रेड सेक्टर में खपत बढ़ेगी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बाज़ार की पहुँच गहराई तक होगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में स्थानीय सोर्सिंग और वेंडर डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। सेवाएं जैसे टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य और शिक्षा में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि होगी। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा और मूल्य श्रृंखला का आधुनिकीकरण होगा।

अब 15 सितंबर तक दाखिल किया जा सकेगा आईटीआरः सीबीडीटी

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के करोड़ों इनकम टैक्स दाखिल वाले करदाताओं के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की तारीख बढ़ाने का ऐलान किया है। सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2024-25 और आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि? 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर अब 15 सितंबर, 2025 कर दिया है। सीबीडीटी ने यह निर्णय आईटीआर फॉर्म की अधिसूचना जारी करने में देरी के बाद लिया है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी है। विभाग ने जारी पोस्ट में लिखा है, सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया है। सीबीडीटी ने अब 31 जुलाई, 2025 तक दाखिल होने वाली आईटीआर की नियत तारिख को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 करने का फैसला किया है। ये विस्तार आईटीआर फॉर्म, सिस्टम डेवलपमेंट की जरूरतों और टीडीएस क्रेडिट रिफ्लेक्शन में महत्वपूर्ण संशोधनों के कारण ज्यादा समय प्रदान करेगा। यह सभी के लिए एक सहज और अधिक सटीक फाइलिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। औपचारिक अधिसूचना बाद में दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई, 2025 आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि है, जो अधिकांश सामान्य श्रेणियों पर लागू होती है। इसमें अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी और वे सभी करदाता शामिल हैं जिनके खातों का ऑडिट करने की आवश्यकता नहीं है। अब वेतनभोगी कर्मचारी को अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए 46 दिन का अतिरिक्त समय मिलेगा। अगर अंतिम तिथि तक आईटीआर दाखिल नहीं किया जाता है, तो करदाता को 5,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है।

देश में एफडीआई प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 में 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था। हालांकि, 31 मार्च का समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर एफडीआई का प्रवाह 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आधिकारिक आंकड़ों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में कुल एफडीआई प्रवाह, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 फीसदी बढ़कर 81.04 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले 3 वर्षों में सबसे अधिक है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 71.3 अरब अमरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 की अव?टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एफडीआई प्रवाह वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के

कारण सालाना आधार पर 5.6 फीसदी घटकर 10.9 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। मंत्रालय के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। पूरे वित्त वर्ष 202425 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान यह 12.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था।

देश का कोयला आयात 2024-25 में 7.9 फीसदी घटा, 60,682 करोड़ रुपये की हुई बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 7.9 फीसदी घटकर 24.36 करोड़ टन रह गया, जिससे लगभग (60,681.67 करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश का कोयला आयात 26.45 करोड़ टन रहा था।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक कोयला आधारित बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 3.04 फीसदी बढ़ गया, लेकिन ताप-विद्युत बिजली संयंत्र द्वारा मिश्रण के लिए कोयला आयात में 41.4 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ये आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए जारी भारत के प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और कोयला आयात कम करने के लिए वाणिज्यिक कोयला खनन और मिशन कोकिंग कोल सहित कई पहल को लागू किया है। इन प्रयासों से वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कोयला उत्पादन में पांच फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

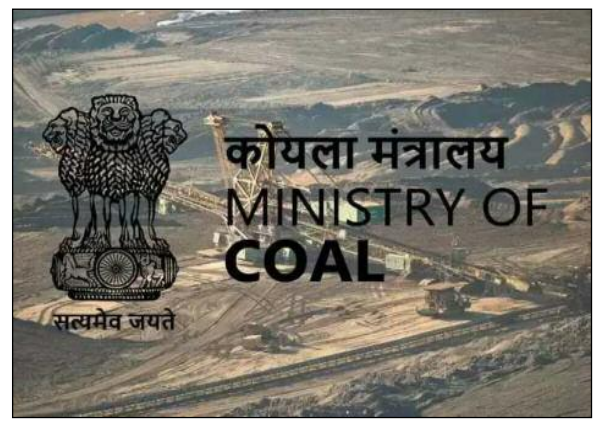

बिजली क्षेत्र से इतर गैर-विनियमित क्षेत्र में अधिक महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में सालाना आधार पर 8.95 फीसदी की गिरावट आई है।

चौथी तिमाही में बीएसएनएल को 280 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बीएसएनएल ने लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा कमाया है। कंपनी को 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है।कंपनी ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी को तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब कंपनी लाभ में रही है। बीएसएनएल को इससे पिछले वित?त वर्ष की सामान अवधि में 849 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के अनुसार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफे के साथ वित्त

वर्ष 2024-25 में उसका घाटा सालाना आधार पर 5,370 करोड़ रुपये से घटकर 2,247 करोड़ रुपये रह गया है। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में बीएसएनएल की परिचालन आय सालाना आधार पर 19,330 करोड़ रुपये से 7.8 फीसदी बढ़कर 20,841 करोड़ रुपये हो गई है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 17 वर्षों में पहली बार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाया है। सिंधिया ने कहा कि अपने मुनाफे के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये के बाद लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाने का रिकॉर्ड है। दूरसंचार मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल का लगातार सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केंद्रित और सुधार-संचालित नेतृत्व को दर्शाता है। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) ए. रॉबर्ट जे. रवि ने कहा, ''यह तेज बदलाव पेशेवर प्रबंधन, सरकारी समर्थन और आय तथा मुनाफे दोनों पर लगातार ध्यान देने का प्रमाण है। उन?होंने कहा कि बीएसएनएल को न केवल पुनर्जीवित किया जा रहा है, बल्कि इसे एक नया रूप दिया जा रहा है।''

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से भारत में अपने म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में परिचालन शुरू करने के लिए विनियामक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही अब कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रख देगी। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ये जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट, जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का 50-50 का सयुंक्त उद्यम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने जारी बयान में कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है, तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन, ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। हम मिलकर हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईशा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि जियो ब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा।उल्लेखनीय है कि इस खबर के बीच जियो फाइनेंशियल के शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं का वजीफा बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं को देय न्यूनतम मासिक वजीफा 30 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है।

प्रस्तावित बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी होने के बाद वर्तमान में यह राशि 5,000-9,000 रुपये है, जिसे बढ़ाकर 6,800-12,300 रुपये कर दिया जाएगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में जयंत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) की 38वीं बैठक में भारत के युवाओं के लिए प्रशिक्षुता को

अधिक फायदेमंद और आकांक्षापूर्ण बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत प्रदान किए जाने वाले वजीफे में 30 फीसदी की वृद्धि की सिफारिश की गई। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद की आयोजित इस बैठक में भारत के उभरते प्रशिक्षुता परिदृश्य की समीक्षा की गई, जिसमें परिणाम को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर चर्चा की गई। इस सिफारिश में मौजूदा 5,000-9,000 रुपये के वजीफे को संशोधित कर 6,800-12,300 रुपये किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ड्रॉपआउट दरों को कम करना और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करना है। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा, प्रशिक्षुता केवल कौशल प्रदान करने का तंत्र नहीं है, यह एक ऐसा पुल है जो शिक्षा, उद्योग और रोजगार को जोड़ता है, खासकर हमारे ग्रामीण युवाओं के लिए। एनएपीएस और एनएटीएस को मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा समर्थित स्तंभों के रूप में देखते हुए, हम इसे अधिक समावेशी, उत्तरदायी और आकांक्षी बनाने के लिए सक्रिय रूप से सुधार कर रहे हैं।

शेयर बाजार पर निवेशकों का बढ़ा भरोसा, 8 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा कैश मार्केट टर्नओवर

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से आई तेजी के कारण इस माह कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। ये पिछले 8 महीने का सर्वोच्च स्तर है। कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर के बढ़ने को शेयर बाजार की मजबूती और बाजार के प्रति निवेशकों के बढ़ते भरोसे का संकेत माना जा सकता है।

मई के महीने में टोटल एवरेज डेली टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचना सितंबर, 2024 के बाद टोटल एवरेज डेली टर्नओवर का उच्चतम स्तर है। डेली एवरेज टर्नओवर में मासिक आधार पर 8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। फरवरी के बाद मार्च से ये लगातार तीसरा महीना है, जब कैश मार्केट के टर्नओवर में बढ़त दर्ज की गई है।

इससे पहले अक्टूबर, 2024 से घरेलू शेयर बाजार में शुरू हुई बिकवाली के कारण फरवरी 2025 तक कैश मार्केट का डेली एवरेज टर्नओवर 15 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। फरवरी के बाद मार्च के महीने से शुरू हुई खरीदारी के कारण अभी तक के कुल कारोबार में करीब 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। ये बढ़ोतरी शेयर बाजार की कारोबारी गतिविधि में मजबूती आने का स्पष्ट संकेत है।

जानकारों का मानना है कि कैश मार्केट के कारोबार में पिछले कुछ दिनों के दौरान आई मजबूती की एक बड़ी वजह बल्क और ब्लॉक डील में आई तेजी भी हो सकती है। पिछले कुछ दिनों के दौरान नाइका, स्विगी, केपीआर मिल, एटरनल, विशाल मेगा मार्ट, इंडस टावर और टीडी पावर के बड़े सौदे हुए हैं, जिनकी वजह से कैश मार्केट के कारोबार में तेजी आई है।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी का ऐलान होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मोर्चे पर 90 दिनों के लिए मिली राहत के कारण निवेशकों के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ सीजफायर के ऐलान के बाद जियो-पॉलिटिकल चिंताएं भी कम हुई हैं। इस वजह से घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर निवेशकों को राहत मिला है, जिससे कैश मार्केट के डेली एवरेज टर्नओवर में भी सुधार हुआ है।

उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश पर जताया भरोसा

मुंबई। उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' ने मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक उच्च स्तरीय निवेशक राउंड टेबल का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह तथा संचालन इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरन आनंद ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी औद्योगिक इकाइयों के प्रमुखों ने भाग लिया और उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील नीतियों और निवेश अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा, सीमेंट और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभरा है। राज्य सरकार त्वरित एवं पारदर्शी निवेश-वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम प्रगतिशील उद्यमों का स्वागत करते हैं और उनकी विकास यात्रा में भागीदार बनने का संकल्प लेते हैं। बैठक में हीरानंदानी समूह के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने योट्टा डेटा सर्विसेज द्वारा 30 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर केवल 18 महीनों में स्थापित करने में मिली सफलता को साझा किया। उन्होंने इसकी क्षमता 30 मेगावाट की वृद्धि करने की घोषणा की तथा 28 हजार 440 करोड़ रुपये की चिप निर्माण परियोजना की जानकारी दी।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन बार-बार जोरदार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में पहले बिकवाली के दबाव की वजह से बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। फिर सुबह 11 बजे के करीब खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार शानदार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। हालांकि दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों की जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारों ने अपना जोर बनाए रखा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,958 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,975 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,574 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,205 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,369 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 138.25 अंक की कमजोरी के साथ 82,038.20 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 872.57 अंक टूट कर 81,303.88 अंक तक गिर गया। इसके बाद सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण अगले आधे घंटे में ही ये सूचकांक 1,100 अंक से अधिक उछल कर 234.07 अंक की तेजी के साथ 82,410.52 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही बाजार में एक बार फिर चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ऊपरी स्तर से 1,288.82 अंक फिसल कर 1,054.75 अंक की कमजोरी के साथ 81,121.70 अंक तक आ गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया।

'बिग बॉस' फेम

बंदगी कालरा

के घर लाखों की चोरी, बहन की शादी के लिए घर में रखे थे कैश

रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस और इन्फ्लुएंसर बंदगी कालरा के घर चोरी की खबर ने सबको चौंका दिया. बताया जा रहा है कि उनकी बहन की शादी से ठीक पहले दिल्ली स्थित उनके घर में लाखों की चोरी हुई है, जिसमें भारी नकदी और कीमती सामान गायब है. इस घटना के बाद से बंदगी काफी परेशान हैं और उन्होंने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर निराशा जताई है.दरअसल, हा ही में बंदगी कालरा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए घर पर हुई चोरी का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो अपने घर लौटीं, तो देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और दरवाजों के ताले टूटे हुए थे.

चोर घर से नकदी, गहने और यहां तक कि सीसीटीवी कैमरे का एसडी कार्ड भी चोरी कर भाग गए थे. बंदगी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उनकी बहन की शादी के चलते उन्होंने घर में बड़ी रकम रखी हुई थी. उन्होंने टूटे हुए ताले और अस्त-व्यस्त घर की तस्वीरें भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की थी.

सिस्टम पर उठाए सवाल

चोरी की इस घटना के बाद बंदगी कालरा ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन उनका कहना है कि शिकायत के 30 घंटे बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी. उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमारा सिस्टम इतना कमजोर और सुस्त है कि कार्रवाई करने के बजाय, वे आराम कर रहे हैं और खाना खा रहे हैं. मैंने कभी इतना असहाय महसूस नहीं किया. उन्होंने ये भी आशंका जताई कि पुलिस इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है.

परेशान हैं बंदगी

बंदगी ने सवाल उठाया कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो लोग भारत से बाहर क्यों नहीं जाना चाहेंगे ? उन्होंने अपने फैंस से समर्थन की अपील की है और उम्मीद जताई है कि उन्हें जल्द न्याय मिलेगा. बंदगी के फैंस का कहना है कि इस तरह की घटना ने एक बार फिर आम लोगों की सुरक्षा और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया था सोने का टुकड़ा?

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रही श्रीदेवी की पॉपुलैरिटी किसी मेल सुपरस्टर की तरह थी. इंडस्ट्री में उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. हालांकि ये दिग्गज एक्ट्रेस अब हमारे बीच नहीं हैं. उनका करीब सात साल पहले निधन हो गया था. श्रीदेवी के अचानक निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी थी और फैंस को बहुत बड़ा झटका लगा था. श्रीदेवी को आखिरी बार सुहागन की तरह सजाया गया था और उनके अंतिम संस्कार में लाखों की भीड़ उमड़ी थी.श्रीदेवी का अंतिम संस्कार विधिवत तरीके से किया गया था. उनके अंतिम संस्कार की हर रस्म को अच्छे तरीके से निभाया गया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में सोने का टुकड़ा भी रखा गया था. इसके पीछे एक बेहद खास वजह है. आइए इसके बारे में जानते हैं.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया सोने का टुकड़ा ?

श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के मीनाम्पत्ति में हुआ था. वहीं एक्ट्रेस का निधन 24 फरवरी 2018 को दुबई में हो गया था. श्रीदेवी को अंतिम विदाई देने के दौरान उनके मुंह में परिवार के लोगों ने सोने का टुकड़ा रखा था. तमिल परंपरा के अनुसार सुहागन की मौत पर उसके मुंह में सोने का पान या सोने का टुकड़ा रखा जाता है. इसी वजह से श्रीदेवी के मुंह में भी सोने का टुकड़ा रखा गया था.

बेटी जान्हवी की डेब्यू फिल्म नहीं देख पाईं श्रीदेवी

जिस साल श्रीदेवी का निधन हुआ उसी साल उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी. जान्हवी अपनी मां के बेहद करीब थीं. जान्हवी ने फिल्म 'धड़क' से डेब्यू किया था. इसकी शूटिंग के दौरान श्रीदेवी हर समय अपनी बेटी के साथ मौजूद रहती थीं. लेकिन वो बेटी का डेब्यू नहीं देख पाईं.श्रीदेवी ने फरवरी 2018 में दुनिया को अलविदा कह दिया था. जबकि जान्हवी की डेब्यू फिल्म जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ ईशान खट्टर अहम रोल में नजर आए थे. अब श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर भी इंडस्ट्री में अपने कदम रख चुकी हैं. खुशी ने साल 2023 की बॉलीवुड फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था. इसका डायरेक्शन जोया अख्तर ने किया था.

'इतना दर्द था कि नजर नहीं...' जिया खान केस के बाद कैसा था सूरज पंचोली की फैमिली का हाल, एक्टर ने बताया

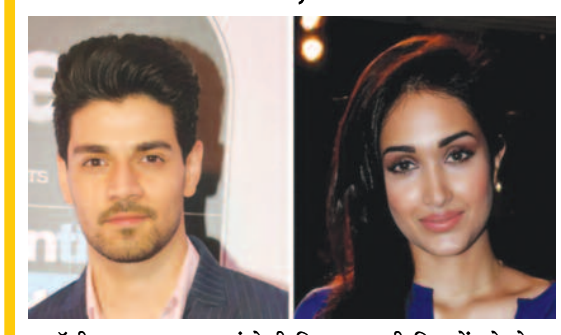

बॉलीवुड एक्टर सूरज पंचोली जितना अपनी फिल्मों को लेकर फेमस नहीं होते, उससे कहीं ज्यादा उनका नाम कंट्रोवर्सी में हाइलाइट होता है. सूरज इन दिनों अपनी फिल्में केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने इस फिल्म से लंबे वक्त बाद अपना कमबैक किया है. फिल्म को लेकर लोगों की मिक्सड राय है.

एक्टर सूरज पंचोली की जिंदगी की सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी एक्ट्रेस जिया खान के केस में सामने आया उनका नाम थी. इस केस ने बॉलीवुड में आने से पहले ही सूरज का करियर लगभग खत्म कर दिया. जिया की मौत ने किस तरह उनकी जिंदगी बदली, इस बारे में सूरज अब खुलकर अपनी बात रखते हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि मुश्किल दौर में कैसे उनके परिवार ने उनका साथ दिया.

इतना दर्द था, नजर नहीं मिला पाते थे

सूरज केसरी वीर के प्रमोशंस में बिजी हैं. इसी बीच अपने पास्ट पर बात करते हुए सूरज ने कहा कि फैमिली उनका कितना बड़ा सपोर्ट सिस्टम रही है. उन्होंने कहा कि जिया खान केस के वक्त उनके पिता आदित्य पंचोली, ने कैसे उन्हें सपोर्ट किया. उन्होंने बताया कि उस दौर में वो अपनी फैमिली से आंखें नहीं मिला पाते थे. उनका परिवार इतने दर्द में था, कि एक दूसरे को देखना मुश्किल हो जाता था. स्क्रीन के साथ हालिया बातीचत में सूरज ने कहा- मेरी फैमिली के साथ मेरी इक्युएशन अब पहले से काफी बेहतर है. एक वक्त था कि हम एक दूसरे की तरफ नहीं देख पा रहे थे, क्योंकि हमारी आंखों में इतना दर्द था, पर अब सब ठीक है.

पिता से कैसे हैं सूरज के रिश्ते

पिता आदित्य के साथ अपने बॉन्ड पर सूरज ने कहा कि वो दोनों इस हादसे से पहले इतना क्लोज नहीं थे, लेकिन इस हादसे के बाद से दोनों के बीच एक अजीब सा बॉन्ड बन गया और वो आज भी कायम है. उन्होंने कहा कि आदित्य उनके और उनकी बहन के सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम हैं. करियर की बात पर सूरज ने कहा कि वो अजय देवगन से काफी इन्सपायर्ड हैं और उन्हीं की राह पर चलना चाहते हैं.

इधर युजवेंद्र चहल और

आरजे महवश

की डेटिंग की खबरें आईं, उधर धनश्री वर्मा ने कह दी ये बात

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने दिसंबर 2020 में खूबसूरत तरीके से और ग्रैंड लेवल पर शादी की थी. हालांकि, उनकी शादी में आई खटास के चलते 20 मार्च, 2025 को उनका तलाक हो गया. युजवेंद्र लंबे वक्त से आरजे महवश के साथ अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. इस बीच, धनश्री ने पहली बार नई शुरुआत के बारे में बात की है.

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में धनश्री वर्मा ने युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद नई शुरुआत के बारे में बात की. उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहूंगी और मानूंगी कि प्यार जीवन का एक खूबसूरत पहलू है, और इसके बारे में आपकी समझ समय के साथ विकसित होती है. उन्होंने कहा, फिलहाल मैं अपने काम और करियर पर ध्यान दे रही हूं और साथ ही अपने व्यक्तिगत विकास पर भी काम कर रही हूं.

मेरा करियर और परिवार जरूरी

धनश्री वर्मा ने अपनी बात को पूरा करते हुए आगे कहा, भविष्य जो कुछ भी मेरे लिए लेकर आएगा, उसके लिए तैयार हूं, लेकिन अभी मेरे लिए मेरा करियर और मेरा परिवार ही सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है. कोरियोग्राफर से यह भी पूछा गया कि वह पब्लिक जजमेंट को कैसे मैनेज करती हैं. उन्होंने बताया कि वह इन सबसे परेशान नहीं हैं. धनश्री ने आगे कहा कि उन्होंने खुद को आंतरिक शक्ति से घेर लिया है और पूरी तरह से अपने काम और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं.

धनश्री वर्मा के जीवन का गोल

उन्होंने कहा, पहले दिन से ही नकारात्मकता और सार्वजनिक आलोचना ने मुझे कभी परेशान नहीं किया है और यह मुझे कभी परेशान नहीं करेगी. धनश्री वर्मा के अनुसार, 'शोर' को अनदेखा करना और रचनात्मक प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना उनका जीवन मंत्र है. उन्होंने बताया कि गोल सेट करना और उन्हें हासिल करने तक अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही इन दिनों उनका लक्ष्य है.